सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

राष्ट्रीय रामायण महोत्सव में मुस्लिम समाज करेगा कलाकारों का स्वागत

■ गंगा-जमनी तहजीब की मिसाल बनेगा महोत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायगढ़ में हो रहे राष्ट्रीय रामायण महोत्सव में हर वर्ग आयोजन को सफल बनाने अपनी भागीदारी के लिए पहल कर रहा है। इसी कड़ी में मुस्लिम समुदाय यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए शर्बत ए मोहब्बत रखेगा। भीषण गर्मी में लोगों को तर करने यह पेशकश होगी।

रायगढ़ के शेख सलीम नियारिया ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल से रायगढ़ के रामलीला मैदान में 1 से 3 जून तक भव्य रामायण महोत्सव के आयोजन में मुस्लिम समाज प्रदेश और जिले से आने वाले आगंतुकों का स्वागत शर्बत-ए-मोहब्बत से करेगा। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए फक्र की बात है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के आयोजन के लिए कला और संस्कृति की नगरी रायगढ़ को चुना है।

यह रायगढ़ की तहजीब है जहां सब मिलकर रहते हैं। सुखदुख में साझीदारी करते हैं। इन सुंदर सरोकारों ने ही रायगढ़ को संस्कारधानी बनाया है। 3 दिनों तक चलने वाले इस भव्य आयोजन में श्रीराम के चरित स्मरण से संस्कारधानी की यह परंपरा और मजबूत होकर उभरने वाली है। राम कथा की यह विशेषता है कि इस कथा के श्रवण से श्रीराम के आदर्श हमारे मन के भीतर घुलने लगते हैं। उनके सामूहिक नेतृत्व का चरित्र और सबको साथ में लेकर सबकी प्रतिभा को निखारकर मानव जाति में सत्य के मूल्यों की स्थापना का उनका संकल्प जब विजयी होता है तब आम आदमी भी स्वयं की सात्विक शक्ति को महसूस करता है।

राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के आयोजन के पीछे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा यही है। हम अपनी श्रेष्ठ परंपराओं को गहराई से जाने। श्री राम के उदार, उदात्त चरित्र को बारीकी से समझें। जब राम को गहराई से जानेंगे तभी तो हम सुराज के सपनों को साकार करने बढ़ सकेंगे। यह ऊर्जा संचार का महोत्सव है। श्रीराम के उत्तम जीवन चरित को अपने जीवन में उतारें और शुभ संकल्पों से राष्ट्र को मजबूत बनाएं।रायगढ़ जिस तरह उत्साह से दमक रहा है और सभी समुदायों के लोग प्रशासन के साथ इस भव्य आयोजन को सफल करने रात दिन कड़ी मेहनत कर रहे हैं उससे साफ है कि रामायण महोत्सव अपने शुभ संकल्पों को पूरा करने में सफल होगा और सबकी साझेदारी से श्री राम के बहुआयामी चरित्र की बारीकियों की हमारी समझ कुछ और बेहतर होगी।

खास - खबर

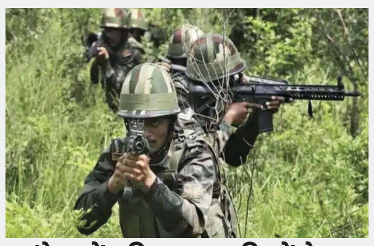

कांकेर में पुलिस-नक्सलियों के बीच मुठभेड़, एक जवान को लगी गोली, महिला नक्सली घायल

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले एक बार फिर पुलिस व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। बीएसएफ जवानों व पुलिस फोर्स के बीच हुई मुठभेड़ में एक जवान को गोली लगी है। वहीं एक महिला नक्सली के घायल होने की खबर है। यही नहीं दो ग्रामीणों के घायल होने की भी सूचना है। यह मुठभेड़ बड़गांव थाना इलाके के मेंढरा के जंगल में हुई है।

मिली जानकारी के मुताबिक कांकेर के थाना प्रतापपुर क्षेत्रांतर्गत बीएसएफकैंप मेंडरा से जिला बल एवं बीएसएफ178 बटालियन की संयुक्त पार्टी गांव मरकाचुवा की तरफ सर्च अभियान के लिए रवाना हुए। इस दौरान थाना से लगभग 10 किमी उत्तर-पूर्व दिशा में करीब आठ बजे पुलिस पार्टी और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में एक महिला नक्सली को गोली लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हुई है। घायल माओवादी महिला की पहचान आरकेबी डिवीजन की सदस्या फगनी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि फगनी एलओएस कमांडर विनोद मदनवाड़ा की पत्नी है। इस मुठभेड़ में एक बीएसएफजवान विकास सिंह को गोली लगी है लेकिन वह खतरे से बाहर है।

मुठभेड़ की सूचना मिलते ही पुलिस की बड़े अधिकारी भी मौके के लिए रवाना हो गए हैं। पखांजुर से मेडिकल टीम को भी मौके लिए रवाना कर दिया गया है। पखांजुर एसडीओपी रवि कुजूर मुठभेड़ की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि बैकअप दल रवाना किया गया है और सर्च अभियान तेज कर दिया गया है।

सीमेंट-ईट से भरा ट्रैक्टर पलटा, एक की मौत, तीन की हालत गंभीर

दंतेवाड़ा। नकुलनार से सीमेंट ईट भरकर सुकमा जिला गोंडेरास जा रहा ट्रैक्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में मौके पर ही एक मजदूर की मौत हो गई। वहीं मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती करवाया। बता दें पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है और उसपर कार्रवाई कर रही है।

ट्रैक्टर में कुल 10 लोग सवार थे जिनमें दो महिला शामिल थी। पोटाली पटेलपार के पास ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर रोड से किनारे गड्ढे में ट्रैक्टर पलट गया, जिसमें हूंगा उम्र 35 साल की मौके पर ही मौत हो गई। कवासी जोगा उम्र 30 साल को सिर पर चोट आई है, वहीं पोडियम उम्र 23 साल को बाएं पैर में गंभीर चोट और कंधे पर चोट आई थी। ग्रामीणों ने तत्काल 108 को इस हादसे की जानकारी दी। 108 एंबुलेंस कर्मचारियों को जैसे पोटाली पटेलपारा में ट्रैक्टर पलटने की सूचना मिली, बगैर देर किए ईएमटी सूरज प्रकाश साखियां और पायलट अशोक सिंह ठाकुर तत्काल पोटाली के लिए रवाना होकर गंभीर स्थिति से पड़े हुए मजदूरों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया।

कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार में 24 मंत्री हुए शामिल, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

कर्नाटक कैबिनेट में सीएम व डिप्टी सीएम सहित अब 34 मिनिस्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेंगलुरु। कर्नाटक में सरकार बनाने के 7 दिन बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को कैबिनेट का विस्तार किया। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 24 मंत्रियों को शपथ दिलाई। इससे पहले 20 मई को श्रूरू सिद्धारमैया, डिप्टी श्रूरू डीके शिवकुमार के अलावा मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे समेत 8 मंत्रियों ने शपथ ली थी।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बताया कि हमने क्षेत्रीय, जातीय और सामाजिक न्याय के आधार पर कैबिनेट में विधायकों को जगह दी गई है। हाई कमांड के साथ चर्चा के बाद ही कैबिनेट को अंतिम रूप दिया गया है। अगली कैबिनेट मीटिंग जून में होने की संभावना है। इसमें जनता से किए गए वादों को पर फैसला लेंगे।

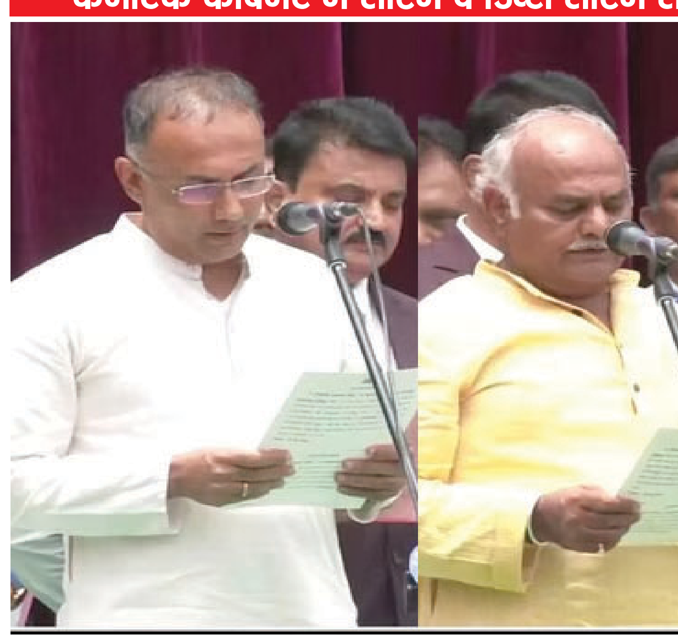

आज कैबिनेट मंत्रियों के रूप में एचके पाटिल, कृष्णा बायरेगौड़ा, एन चालुवारायस्वामी, के वेंकटेश, डॉ एचसी महादेवप्पा ईश्वर खंड्रे, क्याथासंद्रा एन. राजन्ना, दिनेश गुंडू राव, शरणबसप्पा दर्शनापुर, शिवानंद पाटिल, तिम्मापुर रामप्पा बलप्पा, एसएस मल्लिकार्जुन, शिवराज संगप्पा तंगदागी और डॉ शरणप्रकाश रुद्रप्पा पाटिल मंकल वैद्य, आर हेबलकर, रहीम खान, डी सुधाकर, संतोष लाड, एन एस बोसेराजू, सुरेश बीएस, मधु बंगरप्पा, एमएस सुधाकर और बी नागेंद्र ने मंत्री पद की शपथ ली। इधर कर्नाटक कांग्रेस नेता रुद्रप्पा लमानी के समर्थकों ने नेता के लिए मंत्री पद की मांग को लेकर कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इनके समर्थकों की मांग है कि उनके नेता को भी मंत्रीमंडल में जगह दी जाए।

पहली कैबिनेट में 8 में सबसे ज्यादा 3 मंत्री एससी, साउथ कर्नाटक को तवज्जो

पहली कैबिनेट में नॉर्थ कर्नाटक की जगह साउथ कर्नाटक को तवज्जो दी गई थी। साउथ कर्नाटक से 5 मंत्री हैं, जबकि नॉर्थ से सिर्फ3 हैं। वहीं, 8 में से सबसे ज्यादा 3 मंत्री स्स्ट से हैं। बाकी समुदाय से भी मंत्री बनाकर कांग्रेस ने सोशल इंजीनियरिंग की है। सीएम कुरुबा से तो डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय से हैं। इनके अलावा, डॉ जी परमेश्वर, केएच मुनियप्पा, प्रियांक खड़गे एससी से हैं। सतीश जारकीहोली एसटी, एमबी पाटिल लिंगायत कम्युनिटी, केजी जॉर्ज क्रिश्चियन, जमीर अहमद खान मुस्लिम और रामालिंगा रेड्डी समुदाय से हैं।

चोरनी कहने पर भाई की हत्या

चचेरी बहन ने आठ साल के मासूम को उतारा मौत के घाट

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले से लगे ग्राम चिराईपानी के स्कूल परिसर में मिले 8 वर्षीय बच्चे की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। दरअसल, मासूम की हत्या उसकी चचेरी बहन ने एक मामूली बात पर उपजे विवाद के कारण की थी।

जानकारी के मुताबिक, चिराईपानी निवासी प्रतीक चौहान कक्षा छठी में पढ़ता था, उसके अचानक गुम होने के बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। मासूम की लाश सरकारी स्कूल परिसर में मिली थी। बच्चे के शरीर पर चोट के निशान मिले थे। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतित हो रहा था। जिसके कारण पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस की स्निफर डॉग रूबि घटना स्थल के बाद मृतक के चचेरी बहन उमा के पास पहुंची। जिसके बाद मामले की जांच शुरू की गई।

चचेरी बहन को कोतरा रोड पुलिस ने पकडकर पुछताछ की और सख्ती बरती तो पूरे मामले से पर्दा उठा। उसने बताया कि चचेरा भाई प्रितम उसे चोरनी कहकर चिढ़ाता था। हत्या से पहले भी वह चोरनी कहकर चिढ़ा रहा था, जिससे वह आक्रोशित हुई और लोहे के रॉड से वार कर दी। जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद शव को स्कूल परिसर में ले जाकर छोड़ आई। उक्त मामले से पर्दा उठने के बाद कोतरा रोड पुलिस ने मृतक के चचेरी बहन को गिरफ्तार किया है।

नई संसद का इनॉगरेशन कल

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बोले- नए भवन की जरूरत ही क्या थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए संसद भवन का इनॉगरेशन रविवार को दोपहर 12 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। विभिन्न राज्यों से मेहमानों का आना भी शुरू हो चुका है। इनॉगरेशन प्रोग्राम में प्रधानमंत्री को सुनहरा राजदंड (सेंगोल) भेंट करने के लिए चेन्नई के धर्मपुरम अधीनम के 21 संत भी चेन्नई से दिल्ली पहुंच गए हैं। ये संत मोदी के लिए एक खास तोहफा भी लाए हैं।

इधर, बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने एक बार फिर संसद की नई बिल्डिंग को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। नीतीश ने शनिवार को कहा- संसद भवन अलग से बनाने की क्या जरूरत थी। पुराने भवन को ही ठीक करवाना चाहिए था। मैं इसके खिलाफहूं। कल के कार्यक्रम में मैं नहीं जाऊंगा। वहां जाने की कोई जरूरत नहीं है।

डेमोक्रेटिव प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के प्रमुख गुलाम नबी आजाद ने कहा कि ये सपना हमने आज से 35 साल पहले नरसिम्हा राव की सरकार में देखा था। हमने पीएम के साथ नक्शा भी बनाया था। तब हमसे तो हो नहीं पाया, लेकिन अब बना है तो उसका स्वागत करना चाहिए। मैं विपक्ष के बहिष्कार के खिलाफ हूं।

बालोद के करहीभदरा गांव में शराब दुकान खोलने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

■ सरपंच के साथ पहुंचे जिला आबकारी कार्यालय, कहा गांव की रौनक खत्म हो गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के ग्राम पंचायत करहीभदर के ग्रामीणों ने देशी शराब की दुकान खोलने की मांग की है। इसे लेकर ग्रामीण शुक्रवार को सरपंच के साथ जिला आबकारी अधिकारी के कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों की मांग है कि देशी शराब दुकान के बंद होने से गांव की रौनक खत्म हो गई है। इस गांव का व्यापार खत्म हो गया। इसे गंभीरता से लेते हुए ग्रामीणों ने जल्द से जल्द यहां पर देशी शराब की दुकान खोलने की मांग की है।

एक तरफ छत्तीसगढ़ में विपक्ष के नेता सरकार से शराब बंदी की बात कर रहे हैं और ऐसे समय में एक गांव से शराब की दुकान खोलने की डिमांड आना अपने आप में आश्चर्य चकित कर देने वाला मामला है। दरअसल बालोद के जिस ग्राम पंचायत करहीभदर की यहां बात हो रही है वहां 10 साल पहले गांव में शराब की दुकान थी। शराब की दुकान के कारण गांव में बहुत रौनक हुआ करती थी। इस गांव का मवेशी बाजार व सब्जी मंडी आसपास काफी प्रसिद्ध था और शराब दुकान बंद होने के बाद धीरे धीरे सबकुछ खत्म हो गया है।

चार बिंदुओं पर सौंपा जिला प्रशासन को ज्ञापन, रखी यह मांगे

देशी शराब की दुकान खुलवाने की मांग को लेकर गांव वाले यहां के सरपंच लीलाराम डडसेना के साथ पहुंचे हैं। सरपंच का कहना है कि हमने चार बिंदुओं पर अपना डिमांड लेटर प्रशासन को सौंपा है। उनका कहना है कि गांव की आबादी ज्यादा है और इसलिए यहां तहसील कार्यालय व पुलिस चौकी शुरू की जाए। हमारी प्रमुख मांग में शराब की दुकान भी है। शराब की दुकान खुलने से गांव की रौनक लौटेगी और 10 साल पहले की तरह व्यापार भी ठीक हो जाएगा। ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंपते हुए मांग पूरी न होने पर प्रदर्शन की भी चेतावनी दी है।

जब यूं ही होने लगे शासन का काम

श्रीकंचनपथ

देश की राजनीति एक अजीब दौर से गुजर रही है. आजादी के बाद एक बुरी तरह से टूटे-फटे, सदियों से शोषण उत्पीड़न से जर्जर देश को गढ़ने की जिम्मेदारी नेताओं पर थी। इसपर काम भी हुआ। सबका सहयोग भी मिला। देश के संविधान ने सत्ता, प्रशासन और नागरिकों के अधिकार और जिम्मेदारियां भी तय कर दीं। स्त्री पुरुष को समान अधिकार देने के साथ ही इस संविधान ने देश में रहने वाले सभी नागरिकों को समान अधिकार और सम्मान देने का भी रास्ता खोल दिया। पर इस आजादी का कुछ लोगों ने गलत मतलब निकाल लिया। राजे-रजवाड़े तो खत्म कर दिए गए पर नए-नए राजा उगते चले गए। अंग्रेजों से हमने केवल अंग्रेजी नहीं सीखी, केवल फूट की फसल काटना ही नहीं सीखा बल्कि इंसानों को जानवर समझने का नया फार्मूला भी हमें मिल गया। बावजूद इसके सत्ता ने हमेशा अपना ध्यान किसानों और गरीबों के लिए ही योजनाएं बनाने पर ही केन्द्रित रखा। इसका लाभ नीचे तक न जा पाया हो, यह एक अलग प्रसंग है। इसे लेकर भी समय-समय पर देश के नेतृत्व ने चिंता जताई है। पर इन दिनों जनहित कोई मुद्दा ही नहीं रह गया है। 70 साल में देश इतना मजबूत तो ही चुका है कि आज हम अनाज की, दूध की, पाठशालाओं की, कालेजों की, अस्पतालों की चिंता से काफी हद तक मुक्त हो चुके हैं। अब राजनीति के नए मुद्दों की तलाश हो रही है। इतने विशाल और इतनी विविधताओं से भरे देश में कोई एक ऐसा नया मुद्दा क्या हो सकता था जो या तो वोट बैंक के रूप में काम करे या फिर वोटों का ध्रुवीकरण रोकने के काम आए। हिन्दू राष्ट्र का शिगूफा यहीं से उठा। एक पार्टी रातों रात हिन्दुओं की पार्टी बनकर उभरी। खुद को हिन्दू प्रमाणित करने के लिए उस पार्टी का समर्थन करना जरूरी होने लगा। जाहिर है कि जब हिन्दुत्व इतना बड़ा मुद्दा हो जाएगा तो यही राजनीति का केन्द्र भी बन जाएगा। विपक्षी दल भी काम-काज छोड़कर हिन्दुत्व के एजेंडे को ही आगे बढ़ाने में लग जाएंगे। स्टेशन पर हनुमान चालीसा, मैदानों में रामायण महोत्सव के आयोजनों की बाढ़ आ जाएगी। दरअसल, धर्म राजनीति की पीठ पर होनी चाहिए. धर्म जब राजनीति का चेहरा हो जाएगा तो राजनीति का स्वाहा होना तय है। जिन प्रभु श्रीराम को सामने रखकर इस धर्म आधारित राजनीति की शुरुआत की गई थी, स्वयं उन्होंने भी अपने जीवन में पुत्रधर्म, राजधर्म और क्षत्रिय धर्म का पालन किया। यह पूजा पाठ से विलग था। उन्हें जरूरत पड़ी तो बालुका शिवलिंग बनाकर पूजा कर ली। यह उनकी व्यक्तिगत आस्था थी। इसीलिए उन्हें पुरुषोत्तम कहा गया. महाभारत काल में भी अर्जुन को श्रीकृष्ण ने धर्म का उपदेश दिया। यदि सत्ता भी अपने सारे काम छोड़कर पूजा-पाठ-प्रवचन की पैरोकारी करने लगे तो वे खुद-ब-खुद अप्रासंगिक हो जाएंगे। बेहतर होगा कि हिन्दू समाज को संगठित करने के बेहतर विकल्पों की तलाश की जाए।

संपादकीय

युद्ध और मंदी

रूस-चीन के बीच चल रहे युद्ध ने अपना एक बड़ा दुष्प्रभाव दिखा दिया है। यूरोप की सबसे बड़ी और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी ने अपने यहां मंदी की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही, यूरोपीय मुद्रा यूरो में गिरावट का दौर शुरू हो गया है। यदि युद्ध को न रोका गया, तो यह गिरावट न जाने कहां जाकर रुकेगी। जर्मनी में मंदी आने से अमेरिका तक में चिंता पसर गई है। यूरोप में छा रही मंदी कब दूर होगी, इससे भी बड़ा सवाल है कि रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध कब खत्म होगा। अभी तो युद्ध के खत्म होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। अपनी वियतनाम यात्रा के दौरान रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने इशारा किया है कि युद्ध तीन-चार साल नहीं, बल्कि दशकों चल सकता है। मेदवेदेव चूंकि पुतिन के करीबी हैं, इसलिए उनकी बात को हल्के में नहीं लिया जा सकता। इन्हें बेहद आक्रामक नेता माना जाता है और इन्होंने जनवरी में कहा था कि जरूरत पड़ी, तो रूस परमाणु बम के इस्तेमाल में हिचकेगा नहीं। खैर, अगर युद्ध बहुत लंबे समय तक चलने वाला है, तो सवाल उठता है कि कितने देशों की अर्थव्यवस्था तब तक खुद को संभाल पाएगी? अमेरिका की भी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है और ऋण संकट वहां भी असर दिखा रहा है। वहां ऋण संकट गहराया, तो इसका पूरी दुनिया पर असर होगा। फिलहाल डॉलर के मूल्य में वृद्धि हो रही है, लेकिन यह बढ़ोतरी कहां तक होगी, कहना मुश्किल है। मंदी या परेशानी की शुरुआत यूरोप से हो गई है। पहले यूरोपीय मुद्रा को नुकसान होगा और उसके बाद डॉलर पर मुसीबत बढ़ेगी। अमेरिका अभी इस स्थिति में नहीं है कि वह जर्मनी जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था को बल प्रदान कर सके। जर्मनी में लगातार दो तिमाही से जीडीपी में गिरावट हो रही है। इधर चीन की मुद्रा में भी गिरावट हो रही है। चीनी उत्पादों की मांग में कमी आई है। मतलब यह युद्ध चीन के लिए भी ठीक नहीं है, लेकिन चीन युद्ध में रूस के साथ है। वह रूस की हर तरह से मदद भी कर रहा है। चीन में आई गिरावट से अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर भी असर पड़ने की आशंका है। गौर करने की बात है कि चीन अभी सुधार पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रहा है। वह दुनिया में अस्थिरता को लेकर कतई चिंतित नहीं है और इसलिए भी रूस-यूक्रेन युद्ध के खत्म होने की संभावना कम ही नजर आती है। क्या दुनिया के जिम्मेदार देश वाकई ईमानदारी से युद्ध को खत्म करने के लिए प्रयास करेंगे? क्या जर्मनी युद्ध में किसी भी तरह के सहयोग देने से पीछे हटेगा? क्या जर्मनी युद्ध को खत्म करने के लिए और दबाव बनाएगा? सवाल कई हैं, लेकिन जवाब कहीं नहीं है। अफसोस की बात है, युद्ध को रोकने के लिए प्रयास करने के बजाय अभी ज्यादातर देशों का ध्यान रूस या यूक्रेन की प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मदद करने पर है। सबसे बड़ी चिंता की बात यही है। भारत इस युद्ध को खत्म करने की अपील लगातार कर रहा है, लेकिन रूस से तेल आयात के मामले में उस पर भी उंगलियां उठ रही हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था अभी ठीक स्थिति में है, क्योंकि भारत में आंतरिक स्तर पर ही तमाम तरह के उत्पादों की मांग लगातार बनी हुई है। फिर भी, भारत सहित दुनिया के सभी जिम्मेदार देशों को रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने की राह निकालनी चाहिए। सुलह का मार्ग खोजना चाहिए, ताकि युद्ध को जल्दी से जल्दी खत्म किया जा सके और अर्थव्यवस्थाओं को डूबने से बचाया जा सके।

> “ चीन में आई गिरावट से अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर भी असर पड़ने की आशंका है। गौर करने की बात है कि चीन अभी सुधार पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रहा है। वह दुनिया में अस्थिरता को लेकर कतई चिंतित नहीं है और इसलिए भी रूस-यूक्रेन युद्ध के खत्म होने की संभावना कम ही नजर आती है। क्या दुनिया के जिम्मेदार देश वाकई ईमानदारी से युद्ध को खत्म करने के लिए प्रयास करेंगे?

गोलबंद होते सियासी मूड

यह बात लगभग पूरे भरोसे के साथ कही जा सकती है कि देश में भाजपा और उसके विरोध में जनमत अपेक्षाकृत अधिक सघन रूप ग्रहण कर रहा है। इसमें नई बात भाजपा विरोधी जनमत में भाजपा शासन से मुक्त होने का बढ़ रहा संकल्प है। साल भर बाद होने वाले आम चुनाव के बारे में अभी कोई अनुमान लगाना पूरी तौर पर कयासबाजी है। यह अब एक मान्य सिद्धांत है कि हर चुनाव नए हालात और नई व्यूहरचना के बीच लड़ा जाता है। इसलिए अगले साल के आरंभ में क्या माहौल बनेगा (अथवा बनाया जाएगा) और सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी चुनाव अभियान में कैसी आक्रामकता दिखाएगी, उसका अनुमान लगाना अभी मुश्किल ही है। बहरहाल, इस समय जो बात लगभग पूरे भरोसे के साथ कही जा सकती है, वो यह है कि देश में भाजपा और उसके विरोध में जनमत अपेक्षाकृत अधिक सघन रूप ग्रहण कर रहा है। भाजपा के पक्ष का जनमत तो पिछले लगभग दस साल से इसी ठोस रूप में है, लेकिन नई बात उसके विरोधी जनमत में भाजपा शासन से मुक्त होने का बढ़ रहा संकल्प है। कर्नाटक का चुनाव नतीजा भी काफी हद तक इस संकल्प का परिणाम था, जहां अपना वोट प्रतिशत ना खोने के बावजूद भाजपा बुरी तरह हार गई। अब एनडीटीवी-सीएसडीएस लोकनीति के जनमत सर्वेक्षण से संकेत मिला है कि यह परिघटना पूरे देश में हो रही है।

इस सर्वे से सामने आया कि राष्ट्रीय स्तर पर 43 प्रतिशत मतदाता भाजपा के पक्ष में बने हुए हैं। जबकि 38 प्रतिशत मतदाता उसके खिलाफ गोलबंद हैं। सबसे चौंकाने वाला नतीजा राहुल गांधी के प्रति लोगों के नजरिए में आया बदलाव है। 29 प्रतिशत लोग अब उन्हें नरेंद्र मोदी के विकल्प के रूप में देख रहे हैं, जिन्हें 43 प्रतिशत लोगों की एप्रूवल रेटिंग मिली हुई है। बेशक, भारत में चुनाव की सेटिंग्स राज्यों के स्तर पर होती है। इसलिए राष्ट्रीय जनमत अक्सर चुनाव नतीजों में व्यक्त नहीं होता। मगर इस मुकाम पर भी भाजपा की चुनौतियां कम नहीं हैं। महाराष्ट्र और बिहार दो ऐसे राज्य हैं, जिन्होंने पिछले दो बार उसे भारी समर्थन दिया, लेकिन अब वहां समीकरण बदलने के संकेत हैँ। इसके अलावा जिन राज्यों में उसने अधिकतम समर्थन हासिल कियाथा, वहां उसी स्तर का समर्थन सिर्फ किसी भावनात्मक मुद्दे पर आंधी चला कर ही फिर हासिल किया जा सकता है। स्पष्टत:, 2024 के चुनाव की फिलहाल नई सेटिंग तैयार होती दिख रही है।

सौ साल का विवेक

हेनरी किसिंजर की यह बात गौर करने लायक है कि दुनिया में आज हालात ठीक वैसे हैं, जैसे प्रथम विश्व युद्ध के पहले थे। ठीक उसी तरह एक चिंगारी पूरी दुनिया को युद्ध में झोंक सकती है। हेनरी किसिंजर कल (27) मई को 100 साल के हो जाएंगे। उनके आलोचक आज भी उन्हें एक युद्ध-उन्मादी बताते हैं। एक ऐसा भी तबका है, जो वियतनाम युद्ध में किसिंजर की भूमिका को लेकर उन्हें युद्ध अपराधी बताता है। जबकि दूसरी तरफ उन्हें व्यावहारिक नजरिए वाले ऐसा राजनयिक के रूप में देखा जाता है, जिन्होंने अपनी सोच और रणनीतियों से दूसरे विश्व युद्ध के बाद की अमेरिका की विदेश नीति दूर तक प्रभावित किया। उनकी सोच का असर सिर्फ तब नहीं था, जब वे अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और विदेश मंत्री थे। बल्कि उसके बाद के पिछले पांच दशकों में भी दुनिया में उनकी बात ध्यान से सुनी जाती रही है। यह दीगर है कि बीते 20-25 साल में उनके अपने देश में उनकी सलाहों को नजरअंदाज किया जाता रहा है। अनेक जानकार मानते हैं कि इस दौर में अमेरिका में आर्थिक ले कर सुरक्षा और विदेश नीति तक पर 'ऐसे नव-कंजरवेटिव्स' का नियंत्रण हो गया है, जो देश को मध्य मार्ग से हटाकर उग्रता की तरफ ले गए हैं।

> “ आम आदमी पार्टी को सिर्फ 0.58 फीसदी वोट मिले, जबकि नोटा को 0.69 फीसदी वोट मिले। यह सही है कि चुनाव प्रचार में अरविंद केजरीवाल नहीं गए थे लेकिन उससे पहले उन्होंने खूब जोर लगाया था। वे पंजाब के अपने मुख्यमंत्री भगवंत मान को लेकर कर्नाटक गए थे और बेंगलुरू में सभा और रोड शो किया था। बेंगलुरू महानगर है और उसका चरित्र काफी हद तक दिल्ली से मिलता जुलता है लेकिन वहां भी पार्टी को कोई कामयाबी नहीं मिली।

आप के लिए आगे मुश्किल ज्यादा!

अजीत द्विवेदी

आम आदमी पार्टी के विस्तार के रास्ते में एक बार फिर बाधा आती दिख रही है। कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद आम आदमी पार्टी की मुश्किलें बढ़ेंगी और किसी नए राज्य में उसके विस्तार का रास्ता बंद होगा या कम से कम उसकी रफ्तार धीमी होगी। ऐसा होने के कई कारण हैं। सबसे पहले तो आम आदमी पार्टी के छोटे से राजनीतिक इतिहास को देखें तब भी समझ में आएगा कि पहले चुनाव से ही जिन राज्यों में उसका राजनीतिक असर बना और दिखा था उन्हीं राज्यों में वह आगे बढ़ पाई और नए राज्यों में राजनीतिक जमीन हासिल करने का उसका हर प्रयास विफल रहा। पार्टी बनने के बाद पहले चुनाव में यानी 2013 के दिल्ली विधानसभा और 2014 के लोकसभा चुनाव में उसे सिर्फ दिल्ली और पंजाब में कामयाबी मिली थी और हैरानी नहीं है कि पार्टी उसके 10 साल बाद भी सिर्फ इन्हीं दोनों राज्यों में सफल हो पाई है। गुजरात में जरूर उसको 13 फीसदी वोट मिले हैं लेकिन वह एक तरह का भटकाव या एबेरेशन है, जिसका असर अब खत्म हो गया है और हैरानी नहीं होगी अगर आने वाले चुनावों में कांग्रेस का वोट उसके पास वापस लौट जाए।

ध्यान रहे आम आदमी पार्टी के गठन के बाद उसने दिसंबर 2013 में पहली बार दिल्ली में विधानसभा का चुनाव लड़ा था और उसको 28 सीटें मिली थीं। तब 32 सीट के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। भाजपा की सरकार बनने देने की बजाय कांग्रेस ने अपने आठ विधायकों का समर्थन देकर अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनवाया था। उसका खामियाजा कांग्रेस आज तक भुगत रही है। इसके बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को सिर्फ चार सीटें मिली थीं और वह भी पंजाब में। वहीं पर फिर उसे 2017 के विधानसभा चुनाव में आंशिक कामयाबी मिली और 2022 के चुनाव में पूर्ण कामयाबी मिली। सो, ये दो राज्य ऐसे हैं, जहां आम आदमी पार्टी के पैर जम गए हैं। इसके अलावा किसी नए राज्य में

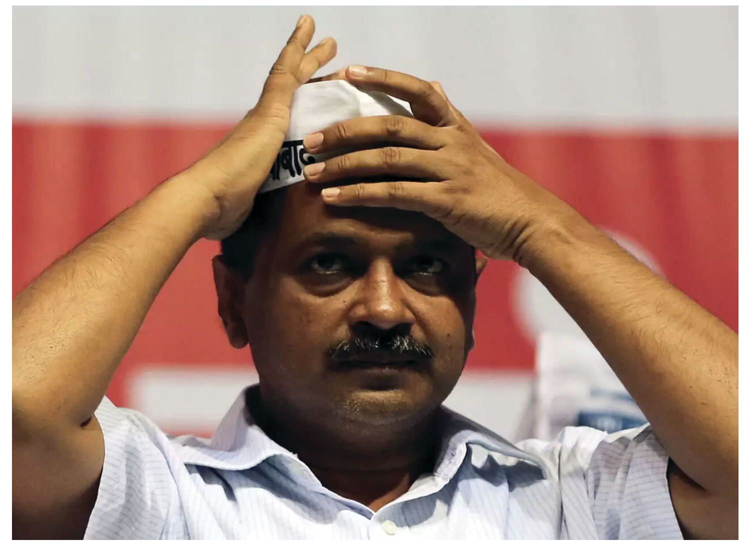

किसी भी चुनाव में उसे कामयाबी नहीं मिली।

इस भूमिका के बाद अब कर्नाटक की बात करते हैं। कर्नाटक में आम आदमी पार्टी ने 168 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। उस पार्टी की राजनीति को समझने वाले किसी भी व्यक्ति को नतीजों से हैरानी नहीं होनी चाहिए। उसके सभी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। आम आदमी पार्टी को सिर्फ 0.58 फीसदी वोट मिले, जबकि नोटा को 0.69 फीसदी वोट मिले। यह सही है कि चुनाव प्रचार में अरविंद केजरीवाल नहीं गए थे लेकिन उससे पहले उन्होंने खूब जोर लगाया था। वे पंजाब के अपने मुख्यमंत्री भगवंत मान को लेकर कर्नाटक गए थे और बेंगलुरू में सभा और रोड शो किया था। बेंगलुरू महानगर है और उसका चरित्र काफी हद तक दिल्ली से मिलता जुलता है लेकिन वहां भी पार्टी को कोई कामयाबी नहीं मिली। पिछले साल के अंत में गुजरात के साथ हिमाचल प्रदेश के भी चुनाव हुए थे, जहां आम आदमी पार्टी 67 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। राजधानी शिमला सहित सभी सीटों पर उसके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई थी। उसको सिर्फ 1.10 फीसदी वोट मिले थे। वहां उसका प्रदर्शन नोटा से थोड़ा बेहतर था। पिछले ही साल उत्तराखंड में पार्टी सभी 70 सीटों पर लड़ी थी। हर सीट पर उसके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुए थी और पार्टी को महज 3.31 फीसदी वोट मिला था। आम आदमी पार्टी की राजनीति का एक दूसरा फीचर यह है कि वह सिर्फ उन्हीं राज्यों में लड़ने जाती है, जहां कांग्रेस और भाजपा की सीधी लड़ाई है। पंजाब इसका अपवाद है लेकिन चूंकि 2014 के लोकसभा चुनाव में इस राज्य में उसको सफलता मिल गई थी इसलिए उसने वहां फोकस किया। उसके अलावा उसका ध्यान कांग्रेस और भाजपा की सीधी लड़ाई वाले राज्यों पर होता है। इसका कारण यह है कि भाजपा से ज्यादा आम आदमी पार्टी उसके कांग्रेस मुक्त भारत के नारे पर विश्वास करती है। उसको लगता है कि भाजपा के प्रचार और राजनीतिक अभियान से कांग्रेस कमजोर होगी तो उसकी जगह आम आदमी पार्टी आ सकती है। इसलिए वह भाजपा के अभियान में हर जगह मदद पहुंचाने पहुंच जाती है। भले उसका योगदान रामसेतु निर्माण में गिलहरी के योगदान के बराबर हो लेकिन वह योगदान करती जरूर है। इसलिए अगर कर्नाटक के चुनाव नतीजे से कांग्रेस मजबूत होती है, उसकी राजनीति ट्रैक पर लौटती है, उसके खत्म होने और देश के कांग्रेस मुक्त होने का नैरेटिव स्थगित होता है, राहुल गांधी की 'पप्पू' छवि टूटती है तो भाजपा से ज्यादा आम आदमी पार्टी को निराशा होगी और नुकसान होगा। अगर कांग्रेस कर्नाटक में नहीं जीत पाती तो इस साल के अंत में होने वाले तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में उसका अभियान कमजोर पड़ता। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में उसके कार्यकर्ताओं और नेताओं का मनोबल गिरता। पार्टी छोड़ने वालों की होड़ लग जाती। ऐसी स्थिति में आम आदमी पार्टी अगर इन राज्यों में चुनाव लड़ने पहुंचती तो उसे बड़ा रिस्पांस मिलता। लेकिन कर्नाटक के बाद वह हो सकना संभव नहीं दिख रहा है। हालांकि इसके बावजूद केजरीवाल की पार्टी वहां चुनाव लड़ने जरूर जाएगी। वह कांग्रेस को हराने के भाजपा के अभियान में उसकी प्रत्यक्ष या परोक्ष मदद जरूर करेगी क्योंकि उसको पता है कि कांग्रेस हारेगी तभी उसकी जगह आप आगे बढ़ेगी। लेकिन कर्नाटक का चुनाव उसके रास्ते की बाधा बन गया है। कर्नाटक के बाद कांग्रेस ज्यादा उत्साह से लड़ेगी। उसके नेताओं को लगने लगा है कि मेहनत की जाए तो भाजपा को हराया जा सकता है। कांग्रेस का यह कॉन्फिडेंस लौटना आप के लिए मुश्किल वाली बात है।

कर्नाटक में एक और घटनाक्रम हुआ कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में बजरंग दल पर पाबंदी लगाने का ऐलान किया। इससे राज्य का मुस्लिम मतदाता पूरी तरह से कांग्रेस के पीछे गोलबंद हुआ। जेडीएस के हाशिए में जाने का एक कारण यह भी रहा। कांग्रेस की इस घोषणा का असर देश भर के मुस्लिम मानस पर होगा। दूसरी ओर केजरीवाल की पार्टी ने गुजरात में बिलकिस बानो के बलात्कारियों की रिहाई पर कहा था कि यह उनका मामला नहीं है। इससे मुस्लिम आवाम के मन में पार्टी के प्रति दूरी बनी है। केजरीवाल की विचारधाराहीन पार्टी को कर्नाटक में एक झटका यह भी लगा है कि मुफ्त की चीजें बांट कर लोगों को लुभाने का उसका फॉर्मूला कांग्रेस ने सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया है। दूसरे राज्यों में भी कांग्रेस अब आप से बेहतर तरीके से इस फॉर्मूले का प्रचार करके वोट हासिल कर सकती है। इस साल जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं वहां के लोग कांग्रेस के वादे पर इसलिए ज्यादा भरोसा करेंगे क्योंकि वह लड़ाई में मुख्य ताकत होगी, जबकि आम आदमी पार्टी हाशिए की ताकत के तौर पर लड़ेगी, जिसके सत्ता में आने की संभावना नहीं के बराबर है।

इसके अलावा कुछ और कारणों से आप का रास्ता मुश्किल हुआ है। इनमें एक कारण भ्रष्टाचार के आरोप हैं। शराब घोटाले में दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी और हवाला मामले में पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी पार्टी के लिए बड़ा सेटबैक है। कट्टर ईमानदार होने की धारणा इससे प्रभावित हुई है। इस बीच केजरीवाल का सरकारी आवास तैयार करने और उसकी साज सज्जा पर 45 करोड़ रुपए खर्च होने की बात सामने आने से केजरीवाल की आम आदमी वाली छवि भी खंडित हुई है। इन दो कारणों से आम आदमी पार्टी भी दूसरी किसी राजनीतिक पार्टी की तरह ब्रांड हुई है। इससे मुक्ति आसान नहीं होगी। तभी कर्नाटक चुनाव के बाद केजरीवाल बहुत सक्रिय हुए हैं और जाने या अनजाने में केंद्र सरकार ने भी उनको अध्यादेश का एक मुद्दा दिया है, जिस पर वे विपक्षी राजनीति की धुरी बन रहे हैं।

आप सबकी सहमति से की गई श्रेष्ठ व्यवस्था

बी आर आंबेडकर, संविधान निर्माता

क्या असम में रहने वाली आदिम जातियों के प्रयोजन के लिए प्रादेशिक तथा जिला परिषदें होनी चाहिए? श्रीमान, इस विषय में मुझे खेद के साथ कहना पड़ता है कि बहस में भाग लेने वाले कई सदस्यों ने इस छठी अनुसूची के उपबंधों का ठीक तरह अध्ययन नहीं किया। मुझे इस विषय में विश्वास है कि यदि उन्होंने इस अनुसूची का अध्ययन किया होता, तो वे ऐसा प्रश्न नहीं उठाते, जैसा कि उन्होंने उठाया है कि इन प्रादेशिक व जिला परिषदों का निर्माण करके हम कुछ लोगों को अलग कर रहे हैं।

असम में आदिम जातियों की स्थिति भारत के अन्य भागों की आदिम जातियों से कुछ भिन्न है। ...हमने असम के लिए अन्य प्रदेशों में अपनाई गई योजना से भिन्न योजना रखी है। दूसरे शब्दों में, असम की आदिम जातियों की स्थिति, चाहे कोई भी कारण हो, कुछ-कुछ वैसी ही हैं, जैसी संयुक्त राज्य अमेरिका में... रेड इंडियन आदिवासियों की है। अब रेड इंडियनों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका ने क्या किया? जहां तक मुझे पता है, उन्होंने यही किया कि ऐसे सुरक्षित क्षेत्र बना दिए, जहां रेड इंडियन ही रहते थे। वे स्वयं एक गणराज्य हैं। ...हम प्रादेशिक और जिला परिषदों का निर्माण किसी हद तक उसी तरीके से कर रहे हैं, जिस तरीके को संयुक्त राज्य ने रेड इंडियनों के लिए अपनाया था, किंतु मेरा कहना यह है कि जिन लोगों ने इस अनुसूची की आलोचना इस आधार पर की है कि हम प्रादेशिक व जिला परिषद बना रहे हैं, वे उन एकता के बंधनों को समझ ही नहीं पाए, जो हमने इस संविधान में रखे हैं।

...पहली बात तो हमने यह की है कि हमने यह उपबंध किया है कि असम सरकार का कार्यपालिका क्षेत्राधिकार असम के केवल गैर-आदिम जातीय क्षेत्रों तक ही नहीं, वरन आदिम जातीय क्षेत्रों तक भी विस्तृत होगा, जिसका अर्थ यह है कि असम सरकार का कार्यपालिका प्राधिकार ऐसे क्षेत्रों में भी प्रयुक्त होगा, जहां

स्वायत्तशासी जिले हैं। ...एकता उत्पन्न करने वाली एक और बात यह है कि संसद द्वारा निर्मित विधियां और असम के विधान मंडल द्वारा निर्मित विधियां इन प्रादेशिक परिषदों तथा जिला परिषदों पर स्वत: लागू हो जाएंगी।

...दूसरी ओर, हमने यह उपबंध रखा है कि आदिम जातियों को, जिनके लिए प्रादेशिक परिषदें और जिला परिषदें बनाई गई हैं, असम के विधान मंडल में भी और संसद में भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व प्राप्त होगा, जिससे असम के लिए विधियां बनाने में तथा समूचे भारत के लिए विधियां बनाने में भी उनका हाथ होगा। ...

जब संशोधन किए गए थे, तब वे श्री चालिहा की सहमति से किए गए थे, वे असम के मुख्यमंत्री की सहमति से किए गए थे, और मेरे मित्र श्री निकल्स राय की सहमति से भी किए गए थे, जो इसमें मुख्य पक्ष हैं। मैं देखता हूं कि अब वे एक-दूसरे की आलोचना ऐसे कारणों से कर रहे हैं, जो इस अनुसूची के बाहर हैं। इस मतभेद का, इस स्पष्ट मतभेद और विरोध का, जो उन्होंने एक-दूसरे के विरुद्ध प्रदर्शित किया है, मुझे कोई कारण दिखाई नहीं पड़ता, और इसीलिए मैं उस मामले में नहीं पड़ना चाहता, जिसे मैं शुद्धत: घरेलू कलह समझता हूं। ...मेरा अपना ख्याल यह है कि हमने सर्वोत्तम उपबंध बना दिया है।

उन्होंने (गोपीनाथ बारदोलाई) मसौदा समिति में इन परिवर्तनों के विरुद्ध एक भी शब्द नहीं कहा। मैंने उनसे हस्ताक्षर नहीं करवाए थे, जैसा कि मैं अन्य मामलों में करवाता था, क्योंकि मैं नहीं चाहता कि कोई सदस्य अपनी बात से फिर जाए। किंतु मैं यह कह रहा था कि प्रादेशिक परिषदों तथा जिला परिषदों को खास प्रयोजनों के लिए खास स्वायत्तता दी गई है और उसके साथ ही, उनका प्रांत के जीवन और समस्त देश के जीवन के साथ संबंध भी कर दिया गया है। यदि वे इन परिस्थितियों से, जो एकसूत्रता लाने वाली होती है, आदिम जाति के लोगों का असम के तथा देश के शेष मैदानी लोगों से संबंध नहीं होता या एकता नहीं होती, तो ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति का कारण कहीं अन्यत्र ढूंढ़ना होगा। मेरे मित्र रोहिणी कुमार चौधरी ने कहा कि यदि आप प्रादेशिक परिषदें बनाएंगे, तो आदिम जातीय क्षेत्रों की हालत तिब्बत जैसी हो जाएगी या और किसी क्षेत्र के समान हो जाएगी। मैं नहीं जानता कि यह भविष्यवाणी केवल आदिम जातीय क्षेत्रों तक सीमित है। मुझे भय है, असम ही चला जा सकता है। उसके लिए हम संविधान में कोई उपबंध नहीं कर सकते, मुझे इस पर विश्वास है।

(संविधान सभा में दिए गए उद्बोधन के अंश)

आदिम जातियों को बल से नहीं, प्रेम से जीतिए

गोपीनाथ बारदोलोई, संविधान सभा सदस्य

अध्यक्ष महोदय, मैं इस वाद-विवाद में भाग लेना नहीं चाहता था, किंतु मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि बहुत से सदस्य असम की आदिम जातीय स्थिति को अच्छी प्रकार नहीं समझते, और इससे बड़ी बात यह है कि कई सदस्य परामर्शदात्री उप-समिति की सिफारिशों की पृष्ठभूमि समझने में असमर्थ रहे हैं, जिसे संविधान सभा ने असम की आदिम जातीय स्थिति के विषय में छानबीन करने के लिए नियुक्त किया था।

मैं यह कहना चाहता हूं श्रीमान, कि असम में तीन प्रकार की आदिम जातियां हैं। ...इस समय अभिकरण क्षेत्रों में इन आदिम जातियों की स्वशासन संस्थाएं नहीं हैं। संविधान के मसौदे में उपबंध है कि इन क्षेत्रों पर सीधा राज्यपाल का प्रशासन होगा और उस पर कोई निर्बंधन नहीं होगा, किंतु ऐसा समय आ सकता है, जब वे अपना शासन स्वयं करने के योग्य हो जाएं। प्रस्थापना यह है कि उस समय उन्हें स्वायत्तशासी जिलों की श्रेणी में ले लिया जाए। ...पहले वे क्षेत्र बिल्कुल अपवर्जित क्षेत्र थे, क्योंकि मैदानों में से कोई भी वहां जाकर उनसे संपर्क स्थापित नहीं कर सकता था। 15 अगस्त, 1947 तक, जब भारत स्वाधीन हुआ था, यही स्थिति थी। ...इन क्षेत्रों में से कुछ संग्रामीय प्रदेश थे, युद्ध काल में तत्कालीन शासकों और अधिकारियों ने इन आदिम जातीय लोगों में अलगाव की भावना पैदा कर दी थी और उन्हें आश्वासन दे दिया था कि युद्ध के अंत में वे स्वतंत्र राज्य बनाकर अपने घर का स्वयं प्रबंध करेंगे। उन्हें यह विश्वास दिला दिया गया कि समस्त पर्वतीय क्षेत्रों का एक प्रांत बना दिया जाएगा...। इस क्षेत्र के लोगों में पहले से ही यह अलगाव के भाव भरे हुए थे। इस समिति के समक्ष सबसे अधिक आवश्यक बात यह थी कि क्या एकीकरण के प्रयोजन के लिए शक्ति के उपाय... प्रयुक्त होने चाहिए, अथवा ऐसे उपाय काम में आने चाहिए, जिनसे

इन लोगों से हार्दिक सहयोग प्राप्त करते हुए इन क्षेत्रों पर शासन किया जा सके।

श्रीमान, यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि इन पर्वतीय आदिम जातियों में कुछ सस्थाएं हैं, जो मेरे विचार में इतनी अच्छी हैं कि यदि हम उन्हें नष्ट करना चाहें, तो मैं उसे बहुत बुरा समझता हूं। एक बात, जो इन आदिम जातियों में मुझे बहुत अच्छी लगी, उनकी झगड़े सुलझाने की प्रणाली है, जो मामले हमारी दंड संहिता के अनुसार हत्या कहलाएंगे, उन्हें ये लोग केवल पंचायत के निर्देशों से और प्रतिकर देकर निपटा दिया करते हैं। ...उनके ग्राम्य प्रशासन का उदाहरण लीजिए। वहां जैसे काम होता है, उसे देखते हुए जिला अधिकारियों को कुछ नहीं करना पड़ता। ...वे एक प्रकार की स्वायत्तता का उपयोग कर रहे हैं, जिसको मेरे विचार में और आदिम जातीय उप-समिति के विचार में, नष्ट करने के बजाय बनाए रखना चाहिए। सुशासन के लिए जिस वस्तु की आवश्यकता है, वह वहां पहले ही है।यह सत्य है कि इन आदिम जातीय लोगों में से कुछ लोग कभी-कभी नराखेट करते हैं, किंतु यह स्पष्टत: समझ लेना चाहिए कि ऐसा तभी होता है, जब एक उप-जाति की दूसरी उप-जाति से शत्रुता होती है। इन लोगों में वंश परंपरा से सामूहिक घृणा की भावना होती है। अत: हमारे सामने यह प्रश्न पेश हुआ था कि क्या हम बल प्रयोग करके उनमें शत्रुता व घृणा की भावना उत्पन्न करें या हम उन्हें सद्भावना तथा प्रेम द्वारा शासन के विस्तृत सिद्धांतों के अंतर्गत लाएं। मंत्रणा समिति ने सोचा कि बाद वाला उपाय ही अपनाना चाहिए। मैं स्वयं गांधीवाद में दृढ़ विश्वास रखता हूं। अत: यदि गांधी प्रणाली का अनुसरण करना है, तो वही तरीका अपनाना पड़ेगा, जो हमने सर्वोत्तम समझा है।

...इस बीच, भारत की शासन-व्यवस्था में बहुत परिवर्तन हो गए हैं। अब केंद्र को अधिक शक्तियां दी जा रही हैं, जितनी पहले कल्पना नहीं थी। अत: इस समय उन शक्तियों को समुचित स्थान पर रखना है। जो संशोधन पेश किए गए हैं, उन पर की गई आलोचना से इसी प्रवृत्ति का संकेत मिलता है कि हमने इन स्वायत्तशासी परिषदों को अधिक शक्तियां दे दी हैं, शायद उनसे भी कहीं अधिक, जो असम राज्य का विधानमंडल दे सकता था। मैं इस विचार से सहमत नहीं हूं। वास्तव में, इन उपबंधों में केवल इतनी सी बात है कि आदिम जातीय समाजों में जो चीज पहले ही लागू है, वही इनमें रख दी गई है, और इसलिए हम अत्यधिक कुछ नहीं दे रहे हैं, जैसा कि मेरे कुछ मित्रों ने कहा है।

(संविधान सभा में दिए गए उद्बोधन के अंश)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

ADMISSION OPEN
COMMERCE GURU
12th CLASS
REGULAR STUDENT
GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE
APPLY NOW
www.commerceguru.in @commerceguru
commerceguru2011@gmail.com
35,Gourav Path, Sundar Nagar,Bhilai
+91 9644454810
+91 8103338634

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

मुख्यमंत्री ने पंडित नेहरू की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भारत के पहले प्रधानमंत्री, भारत रत्न पंडित जवाहर लाल नेहरू की 27 मई को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। सीएम बघेल ने नेहरू जी को याद करते हुए कहा है कि पंडित नेहरू ने विकास के लिए लोकतंत्र को अपना मूलमंत्र बनाया और भारत को एक मजबूत आधार दिया। देश के सामाजिक अधोसंरचना से लेकर भौतिक अधोसंरचना तक के विकास के लिए पंडित नेहरू के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनकी नीतियों के कारण देश में कृषि और उद्योग के विकास का एक नया युग शुरु हुआ। भिलाई स्टील प्लांट छत्तीसगढ़ को पंडित नेहरू की अनुपम सौगात है।

सीएम बघेल ने कहा कि भारत की आजादी और नवनिर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ पंडित नेहरू का रचनात्मक पक्ष भी रहा है। वे एक विद्वान लेखक, चिंतक और विचारक भी थे, इसकी झलक उनकी किताब 'विश्व इतिहास की झलक' और 'भारत एक खोज' में मिलती है। बच्चों के बीच वे चाचा नेहरू के नाम से लोकप्रिय रहे हैं। आज भी लोगों के मन में उनकी अमिट छाप अंकित है।

जल जीवन मिशन के कार्यों के लिए मेसर्स बंसल इंफ्रास्ट्रक्चर ब्लैक लिस्ट

फर्जी दस्तावेज का उपयोग ज्वाईंट वेंचर के लिए करने वाले निविदाकारों को नोटिस

रायपुर। जल जीवन मिशन के संचालक द्वारा मेसर्स बंसल इंफ्रास्ट्रक्चर, रायपुर को राज्य के समस्त जिलों में जल जीवन मिशन से संबंधित सभी प्रकार के कार्यों के लिए ब्लैक लिस्ट किया गया है। साथ ही कोई निविदाकार यदि मेसर्स बंसल इंफ्रास्ट्रक्चर के अनुभव प्रमाण पत्र का उपयोग ज्वाईंट वेंचर के रूप में करते हैं तो उन्हें भी अपात्र करने के निर्देश दिए गए हैं।

जल जीवन मिशन के अधिकारियों ने बताया कि जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्यालय में उपलब्ध निविदा दस्तावेजों के अनुसार मेसर्स बंसल इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा पूर्व आमंत्रित मल्टीविलेज स्कीम की 12 निविदाओं में 08 ठेकेदारों के साथ ज्वाईंट वेंचर किया गया है। उक्त निविदाओं निविदाकारों द्वारा शपथ पत्र के साथ जो मेसर्स बंसल इंफ्रास्ट्रक्चर के अनुभव प्रमाण पत्र संलग्न किये गये हैं, प्रथम दृष्टया त्रुटिपूर्ण होने की आशंका के कारण उन अनुभव प्रमाण पत्रों के सत्यापन के लिए Executive Engineer, P.H. Division संबलपुर एवं भवानीपटना, ओडिशा को विशेष वाहक द्वारा भेजते हुए इसकी सूचना मिशन संचालक, जल जीवन मिशन, ओडिशा को दी गई।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सहारा देता गोधन न्याय योजना

सुराजी गांव योजना के नरवा, गरुवा, घुरवा और बाड़ी से ग्रामीणों को मिल रहा संबल

गोबर बेचकर आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे ग्रामीण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कबीरधाम जिले के ग्रामीणों को सुराजी गांव योजना से जुड़कर बहुत से फायदे होने लगे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित गौठान आजीविका का केंद्र बन गए हैं। गौठानो में पशुधन को रखने के साथ-साथ छाया,पानी,चारा, टीकाकरण जैसे सभी आवश्यक सुविधाएं पशु को तो मिल ही रही है साथ ही गौठान में आजीविका के विभिन्न साधनों से जुड़कर महिला स्व सहायता समूह आत्मनिर्भर हो रही हैं। इस योजना से समूह की महिलाओं के साथ-साथ उनका पूरा परिवार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। इनके साथ ही पशुपालक गोधन न्याय योजना से जुड़कर गोबर को गौठानो में बेचकर सीधे लाभ कमा रहे है।

एक योजना और उसके दो फायदे.... गोबर बेचने वाले ग्रामीण

जिले के 375 गौठानो में गोबर खरीदी का कार्य गोधन न्याय योजना के अंतर्गत हो रहा है। योजना में 7373 कृषक पंजीकृत है जिनसे योजना प्रारंभ से अभी तक 378888.53 क्विंटल गोबर की खरीदी हो चुकी है। जिसके एवज में 7 करोड़ 57 लाख 77 हजार रुपए का भुगतान हितग्राहियों को उनके खाते में मिला है। ग्रामीण हितग्राहियों को गोधन न्याय योजना से मिला पैसा सीधे तौर पर उनके परिवार के काम आ रहा है। जिले के बहुत से ग्रामीण परिवारों ने इन पैसों से अपनी आवश्यकताएं पूरी की। किसी परिवार ने बच्चों की पढ़ाई में पैसे लगाया,किसी के बच्चों की शादी में काम आया,किसी ने अपना घर बनाया,तो किसी ने गाड़ी खरीदी, किसी हितग्राही ने अपना व्यवसाय प्रारंभ किया,आभूषणों का शौक पूरा करने जैसे अनेक रूप में योजना के फायदे की मिसाल ग्रामीण परिवारो में देखी जा सकती है।

गोबर से वर्मी कंपोस्ट तैयार करने वाली महिला स्व सहायता समूह

गौठान में उपलब्ध गोबर से महिला स्व सहायता समूह लाभान्वित हो रही है। ज़िले के गौठानो में 360 महिला समूह कार्य कर रही है जिसमे कुल 3600 सदस्य है। यह समूह गोबर से वर्मी खाद तैयार करती है। अभी तक 110751 क्विंटल वर्मी कंपोस्ट तैयार किया गया है जिसमें 69485 क्विंटल वर्मी है एवं 16020 क्विंटल सुपर कंपोस्ट शामिल है । तैयार कंपोस्ट की बिक्री करके अभी तक लाभांश के रूप में दो महिला समहू को 2 करोड़ 44 लाख 54 हजार रुपए की आमदनी हुआ है और पैसा सीधा ग्रामीण महिलाओं को उनके खाते में मिला जो समूह के रूप में कार्य कर रही है। इस पैसे से महिलाएं अपने दैनिक जरूरतों की पूर्ति कर अपने परिवार के अर्थव्यवस्था को मजबूत सहारा दिए हुए हैं।

ग्रामीण हितग्राहियों के साथ लाभान्वित हो रही महिला स्व सहायता समूह के सदस्य- कलेक्टर

कलेक्टर जनमेजय महोबे ने बताया कि सुराजी गांव योजना के घटक नरवा गरुवा घुरवा और बाड़ी से ग्रामीणों को अनेक फायदे मिलें है। एक और 2 रूपए प्रति किलो की दर से गोबर बेचकर ग्रामीण हितग्राही आर्थिक रूप से लाभान्वित हो रहा है। तो दूसरी ओर गौठान में आने वाले गोबर से कंपोस्ट तैयार कर महिला स्व सहायता समूह इसे विक्रय करते हुए आजीविका के नए साधन से जुड़ी है। राज्य शासन की इस महत्वकांक्षी योजना से एक ही समय में दो अलग-अलग वर्गों को सीधे तौर पर आर्थिक लाभ हो रहा है और इसका परिणाम है की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रहा हैं।

गौठान बना आर्थिक गतिविधियों का केंद्र- सीईओ जिला पंचायत

जिले के गौठान ग्रामीणों के लिए आर्थिक रूप से लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। गौठानो में चाहे महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) की स्थापना हो या फिर अन्य गतिविधियों से आजीविका के साधन ग्रामीणों को मिल रहा है। गौठान अब स्वाबलंबी हो गए है और आजीविका के बहुत से काम हो रहे है।सभी काम परंपरागत शैली के है जिससे ग्रामीणों का पहले से ही जुड़ाव है।

मनरेगा में महिला श्रमिकों को रोजगार देने में दुर्ग जिला प्रदेश में अव्वल

51 हजार 362 प्रतिदिन श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया

मनरेगा के कार्यों में महिलाओं की भागीदारी सबसे अधिक 72 प्रतिशत रही

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत जिले में श्रमिकों को रोजगार देने की दिशा में कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अवनीश कुमार के निर्देशन में श्रमिकों के हित में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। जिसके तहत आज श्रमिकों को रोजगार देने में दुर्ग जिला प्रदेश में पहले नंबर पर है। जिला पंचायत द्वारा मनरेगा के तहत् स्वीकृत 927 निर्माण कार्य चल रहा है। 51 हजार 362 श्रमिकों को प्रतिदिन रोजगार उपलब्ध कराया गया है। अमृत सरोवर, नवीन तालाब निर्माण, तालाब गहरीकरण, डबरी निर्माण, नरवा बंधान, स्व.सहायता समूह के वर्क शेड निर्माण सहित विभिन्न कार्यों में मनरेगा के तहत श्रमिक कार्य कर रहे हैं। जिले में श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया गया।

गौरतलब है कि धमधा विकासखंड के 319 कार्यों में 16 हजार 511 श्रमिक, दुर्ग विकासखंड के 248 कार्यों में 14 हजार 79 श्रमिक, पाटन विकासखंड के 360 कार्यों में 20 हजार 772 श्रमिक कुल जिले में 51,362 श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

ग्राम पंचायत में मांग के आधार पर कार्य स्वीकृत हैं। श्रमिकों को नवीन मजदूरी दर 221 रूपए की राशि के अनुसार भुगतान किया जा रहा है। मनरेगा के कार्यों में महिलाओं की भागीदारी सबसे अधिक 72 प्रतिशत रही है। वहीं प्रदेश में सर्वाधिक श्रमिक जिले में कार्यरत हैं।

सामुदायिक बाड़ी से बढ़ रहा है सब्जी का उत्पादन

सामुदायिक बाड़ी का विकास ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के स्वास्थ्य एवं रोजगार की दिशा मिल का पत्थर साबित हो रही

278 हेक्टेयर में साग-सब्जी उत्पादित कर महिलाओं ने 94 लाख से अधिक की आय अर्जित की

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पाटन के ग्राम अरसनारा में सामुदायिक बाड़ी में उद्यानिकी फसल (सब्जी-भाजी) का उत्पादन भगवती स्व सहायता समूहों द्वारा किया जा रहा है। स्व सहायता समूह की दीदी श्रीमती पूर्णिमा पंडरिया ने बताया कि विभाग द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन के साथ-साथ अनुदान स्वरूप शेडनेट हाउस, ड्रीप, सब्जी मिनीकीट, पत्तागोभी, बैंगन, पावर विडर प्रदाय किया गया है। उन्होंने बताया कि सब्जी-भाजी के उत्पादन से 94 लाख से अधिक की आय प्राप्त हो चुकी है। साथ ही पाटन के फेकारी, केसरा, बोरेंदा, बठेना, कौही एवं दुर्ग के चंदखुरी, गनियारी, पुरई, घुघसीडीह धमधा के पथरिया डोमा, चेटवा, संडी, कोड़िया व अन्य छोटी बड़ी बाड़ियों से महिलाएं आय प्राप्त कर रही हैं। व्यक्तिगत एवं सामुदायिक बाड़ी का विकास ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के स्वास्थ्य एवं रोजगार की दिशा में मिल का पत्थर साबित हो रही है।

पहले हम घर चलाते थे अब उद्योग भी चला रहे हैं

मुख्यमंत्री ने हमें रोजगार ही नहीं दिया, हमें उद्यमी भी बना दिया

अब शहरों से ही नहीं, रीपा के चलते गांव से भी तैयार हो रहे हैं उद्यमी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। पहले हम पूरी कुशलता और दक्षता से घर चलाते थे लेकिन अब उद्योग भी चला रहे है....यह कहना है आत्मविश्वास से लबरेज जय भारत महिला स्व सहायता समूह की सदस्य श्रीमती आरती धीवर का। वे कहती हैं कि महिलाओं की कुशलता और दक्षता को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समझा है और हमें मौका दिया है खुद को साबित करने का। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रीपा योजना शुरू कर हमें आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने का अवसर दिया है।

अकलतरी, बिल्हा की महिलाएं इन दिनों विश्वास से भरी हुई है। वे रोजगार मांगने नहीं जा रही हैं, वे लोगों को रोजगार दे रही है। रीपा से उनका सपना सच हुआ है। उन्होंने ऐसे क्षेत्र में अपना काम आरंभ किया है, जहां मांग ज्यादा थी लेकिन आपूर्ति नहीं हो पा रही थी। यह क्षेत्र था केटल फीड का। अकलतरी की महिलाओं ने इसका उद्यम डाला और आर्डर इतना आ गया कि उनके पास काम ही काम है। ग्रामीणों इलाकों में विकास की बयार बह रही है। महिलाओं और युवाओं के सपने अब हकीकत में तब्दील हो रहे हैं। श्रीमती आरती धीवर के साथ-साथ समूह की अन्य 7 महिलाएं इस गतिविधि से जुड़ी हुई है।

अकलतरी ग्राम में रीपा के तहत पशु आहार निर्माण इकाई की स्थापना की गई है। क्षेत्र के दूध उत्पादक पशु पालकों द्वारा पशु आहार की लगातार बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए संचालित इस गतिविधि से ग्रामीणों महिलाओं को रोजगार मिला है। पशुपालन विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन में समूह द्वारा उच्च गुणवत्ता के संतुलित पशु आहार निर्माण का कार्य प्रारंभ कर क्षेत्र के पशुपालकों को बिक्री की जा रही है। अब तक इन महिला समूह द्वारा 172 क्विंटल पशु आहार का निर्माण किया गया है, जिसमें 4 लाख 30 रूपये की बिक्री कर ली है। वर्तमान में 100 क्विंटल पशु आहार का आर्डर भी प्राप्त हुआ है। इस यूनिट में मकई दलिया, गेहूं दलिया, कपास खली, कोड़ा खली, कैलशियम एंड विटामिन पाउडर, सरसों खली तथा गुड़ का सीरा आदि मिलाकर पशु आहार तैयार किया जाता है। इस यूनिट की प्रतिमाह निर्माण क्षमता 4 सौ से 15 सौ क्विंटल है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 12 मई को अपने भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान अकलतरी रीपा में संचालित गतिविधियों की सराहना भी की थी। रीपा ने ग्रामीण महिलाओं को सीधे तौर पर रोजगार उपलब्ध कराया साथ ही आर्थिक रूप से सशक्त होकर आत्मनिर्भर बनने की राह में अग्रसर किया।

आधार कार्ड अपडेशन/आयुष्मन कार्ड वार्ड क्रमांक 51 से लेकर वार्ड 60 तक 4 स्थानों में 9 वार्डो के लिये

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा लगातार वार्डो में तिथिवार दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर अंतिम 29 मई 23 तक आयोजित होगा।आज से 29 मई को दो दिवसीय चार स्थानों में आधार कार्ड/आयुष्मन कार्ड अपडेट शिविर का आयोजन वार्ड क्रमांक 51,52 शासकीय प्राथमिक शाला बोरसी तालाब के किनारे वार्ड 53,54 व 55 शासकीय प्राथ.शाला पोटियकला सुलभ शौचालय के सामने वार्ड 57,58 शास.प्राथ.शाला उरला के अलावा 59 और 60 शास.प्राथ.शाला कातुलबोर्ड में अंतिम शिविर लगाया जाएगा,यदि आप ने अब तक अपना आधार कार्ड अपडेट नहीं कराया है वह अपना आधार कार्ड जल्द ही अपडेट करा लें।

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school , Nehru Nagar ,Bhilai

ऊं साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

छत्तीसगढ़ में धमतरी रहा सबसे गर्म तापमान में बदलाव के आसार नहीं

रायपुर (ए)। 25 मई से शुरू हुए नौतपा का आज शनिवार को तीसरा दिन है। मौसम विभाग का कहना है कि शनिवार को भी प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और हल्की वर्षा के आसार है। प्रदेश भर में शुक्रवार को धमतरी सर्वाधिक गर्म रहा। एडब्ल्यूएस धमतरी में अधिकतम तापमान 43.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बता दें कि द्रोणिका के प्रभाव से नौतपा का दूसरा दिन भी थोड़ा राहत भरा रहा और प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आंशिक रूप से बादल छाने के साथ ही हल्की वर्षा हुई। इसकी वजह से बिलासपुर में अधिकतम तापमान सामान्य से छह डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। वहीं रायपुर में भी अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस नीचे रहा।

मौसम विभाग का कहना है कि द्रोणिका के प्रभाव से आने वाले चार दिन उत्तरी छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज ऐसा ही रहेगा। आंशिक रूप से बादल छाने के साथ ही हल्की वर्षा के भी आसार है।

बादल व हल्की वर्षा के चलते अधिकतम तापमान में गिरावट आएगी। वहीं दूसरी ओर दक्षिण छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान में गिरावट का रुख रहेगा। इस वर्ष अनुमान जताया जा रहा है कि अलनीनो के प्रभाव से मानसूनी वर्षा सामान्य से कम हो सकती है। मालूम हो कि इस वर्ष मानसून अपनी सामान्य तिथि से चार दिन विलंब यानि 13 जून को जगदलपुर, 16 जून को रायपुर व 21 जून को अंबिकापुर के साथ प्रदेश भर में आने की संभावना है।

10-12वीं पूरक-अवसर परीक्षा के लिए 14 जून तक भरे जाएंगे फॉर्म

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी पूरक, अवसर परीक्षा वर्ष 2023 के परीक्षा फॉर्म सामान्य शुल्क के साथ 14 जून तक और विलंब शुल्क के साथ 20 जून तक भरे जा सकेंगे। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव प्रो. व्ही.के. गोयल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि विस्तृत जानकारी मंडल की वेबसाईट www.cgbse.nic.in पर उपलब्ध है।

हम आस्तिक है न नास्तिक है, हम हैं वास्तविक

जनजातीय समुदाय के तीज-त्यौहार, जीवन संस्कार एवं उत्पत्ति संबंधी वाचिक परंपराओं के संबंध में प्रबुद्धजनों ने रखे विचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा आदिवासियों को अपनी परंपराओं के बारे में कहने-सुनने का मंच दिलाने के लिए तीन दिवसीय जनजातीय वाचिकोत्सव-2023 आयोजित की गई है। द्वितीय दिवस के आहुत कार्यक्रम में जनजातीय समुदायों के प्रबुद्धजनों ने जनजातीय तीज-त्यौहार, जनजातीय जीवन संस्कार संबंधी एवं जनजातीय समुदाय की उत्पत्ति संबंधी वाचिक परंपरा के संबंध में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम आस्तिक है न नास्तिक है, हम हैं वास्तविक।

आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान नवा रायपुर में वाचिकोत्सव के दौरान जनजातीय तीज-त्यौहार एवं वाचिक परंपरा, जनजातीय जीवन संस्कार (जन्म, विवाह, मृत्यु इत्यादि) संबंधी वाचिक परंपरा एवं जनजातीय समुदाय की उत्पत्ति संबंधी धारणा एवं वाचिक परंपरा विषय पर प्रदेशभर से आए हुए आदिवासी समुदाय के प्रबुद्धजनों ने कहा कि विभिन्न बोलियां में बोलने वाले लोग हैं और उनके क्षेत्र अनुसार उनकी बोली है। इन समुदाय में उनके आदि पुरूष या पूर्वजों के द्वारा बताई गई कथा, कहानी, लोकोक्ति, देवी-देवताओं की स्तुति विभिन्न अवसरों पर पर्व मनाया जाता है।

जनजातीय जीवन संस्कार में वाचिक परंपरा के संबंध में जनजातीय समाज के लोगों ने सामुदायिक वाचिक परंपरा का अनुसरण करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। प्रदेशभर से आए आदिवासी समाज के प्रबुद्धजनों ने कार्यशाला में जनजातीय समुदाय की उत्पत्ति के संबंध में इन समुदायों में उनके आदि पुरूष या पूर्वजों के द्वारा बताई गई कथा, कहानी, लोकोक्ति के माध्यम से लोक गीतों आदि के पीछे छुपी हुई उनकी अवधारणा, मान्यताएं, कहानियों के संबंध में अवगत कराया।

इस अवसर पर जनजातीय आयोग की सदस्य अर्चना पोर्ते, नेशनल बुक ट्रस्ट नई दिल्ली के पंकज चतुर्वेदी, कोण्डागांव निवासी जयमती कश्यप, डॉ. वेदवती मंडावी, प्रमोद पोटाई नारायणपुर सहित अनेक विषय-विशेषज्ञ, प्रबुद्धजन एवं आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

'हमर लैब्स' ने बढ़ाई जांच की सुविधा, अब तक 57.46 लाख जांच

जिला अस्पतालों और सीएचसी में स्थानीय स्तर पर ही कई तरह की जांच की सुविधा

जिला अस्पतालों के हमर लैब में 120 और सीएचसी के लैब में 60 तरह की जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

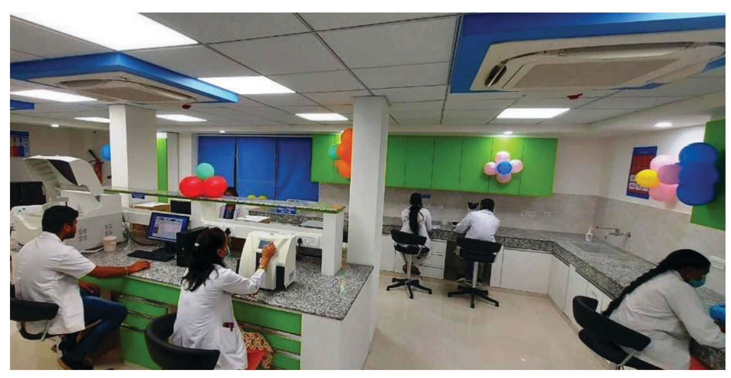

रायपुर। प्रदेश के विभिन्न शासकीय अस्पतालों में संचालित हमर लैब से मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही अनेक तरह की जांच की सुविधाएं मिल रही हैं। 'हमर लैब' वाले जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में जांच की सुविधाओं में खासी वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य विभाग और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा संचालित जिला अस्पतालों के हमर लैब में 120 तरह की और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के हमर लैब में 60 प्रकार की जांच की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। राज्य के 16 हमर लैब में 1 अप्रैल 2022 से अब तक कुल 57 लाख 46 हजार पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री जांच की गई हैं।

राज्य का पहला हमर लैब फरवरी-2020 में रायपुर जिला चिकित्सालय में शुरू किया गया था। 1 अप्रैल 2022 से अब तक यहां सात लाख 48 हजार 128 जांचें की जा चुकी हैं। सुदूर वनांचल बीजापुर के जिला अस्पताल के हमर लैब में छह लाख 96 हजार 357, जगदलपुर जिला अस्पताल के हमर लैब में छह लाख 55 हजार 812, कांकेर जिला अस्पताल में छह लाख 52 हजार 698, दुर्ग जिला अस्पताल में पांच लाख 48 हजार 951, बालोद जिला अस्पताल में चार लाख 63 हजार 330, सुकमा जिला अस्पताल में तीन लाख 69 हजार 621, बलौदाबाजार जिला अस्पताल में तीन लाख चार हजार 028, राजनांदगांव जिला अस्पताल में दो लाख 38 हजार 195, कोंडागांव जिला अस्पताल में दो लाख 12 हजार 439 और बलरामपुर जिला अस्पताल के हमर लैब में इस दौरान एक लाख 74 हजार 589 जांचें की गई हैं।

पाटन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संचालित हमर लैब में अप्रैल-2022 से अब तक दो लाख 23 हजार 356 जांचें की गई हैं। इस दौरान मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के हमर लैब में एक लाख 12 हजार 839, पलारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 70 हजार 052 और खरसिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 17 हजार 603 जांचें की गई हैं। अंबिकापुर स्थित शासकीय मेडिकल कॉलेज में भी इस वर्ष 6 फरवरी से हमर लैब संचालित है। 6 फरवरी 2023 से 30 अप्रैल 2023 तक वहां दो लाख 55 हजार 738 जांचें की जा चुकी हैं।

ग्रामीण औद्योगिक पार्क गोड़बहाल में दुग्ध प्रसंस्करण केंद्र की हुई स्थापना

स्वसहायता समूह को प्रतिमाह 70 से 80 हज़ार रूपए का हो रहा है मुनाफा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दूध के सही दाम न मिलने से महासमुंद जिले के गोड़बहाल गांव में पशुपालन लगभग खत्म हो रहा था, लेकिन वहां के सरपंच व ग्रामीणों ने हार नहीं मानी। सरपंच सादराम पटेल ने पहल कर पांच समिति बनाया, दूध से बनने वाले उत्पादों के लिए कुछ ग्रामीणों को ट्रेनिंग दिलायी और आज ये सभी पनीर, खोआ, दही, पेड़ा और राबड़ी को बेचकर अच्छी कमाई कर रहे है। पिथौरा में दुग्ध उत्पाद विक्रय केंद्र नाम से दुकान भी डाली है। गोड़बहाल गौठान में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) में दुग्ध प्रसंस्करण केंद्र स्थापित किया। इसके अलावा माटीकला, पेवर ब्लॉक के साथ महिला समूह वर्णित कम्पोस्ट के साथ ही स्थानीय बाजार की मांग अनुसार मसाले, पापड़, अचार, आदि सामग्रिया का उत्पादन कर अपनी आमदनी में अतिरिक्त इजाफा कर रही है।

महासमुंद जिले के पिथौरा से तक़रीबन आठ किलोमीटर दूर गोड़बहाल गांव में पुरुषों ने पाँच सहकारी समिति द्वारा बनायी। एक समिति में 70 ग्रामीण जुड़े है। इस समिति से जुड़े गोड़बहाल गाँव के ग्रामीण बताते हैं, हमारे गांव में गाय भैस का दूध समिति अधिक दाम में ख़रीद रही है। समिति से जुड़े लोगों को फायदा हो रहा है। वहीं दुग्ध उत्पाद सामग्री जो शुद्ध पनीर बेच रहे वो 340 रुपए किलो, खोवा 320, पेड़ा 360, दही 70 और रबड़ी 340 रुपए किलो की दर से बेच रहे है। माह में सब खर्च के बाद 70 से 80 हजार का मुनाफ़ा हो रहा है।

कलेक्टर निलेशकुमार क्षीरसागर ने डीएमएफ मद से समिति को 2000 लीटर का बल्क मिल्क कूलर उपलब्ध कराया गया है। इससे दूध ख़राब होने की चिंता से मुक्ति मिल गयी है। बिजली अचानक चली जाने पर यह कई घंटे काम करता है और दूध खराब नहीं होता है। कलेक्टर ने कहा है कि ज़िले की अधिकांश आबादी खेती किसानी से जुड़ी हुई है। दुग्ध उत्पादन को लेकर स्थिति बहुत अधिक मजबूत हुई है। जिले में बढ़ते दुग्ध उत्पादन को देखते हुए सभी पशुपालक खुश हैं। वहीं, उनकी आय बढ़ी है इससे उनकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर हुई है। पशु चिकित्सा के क्षेत्र में एन.जी.ओ. के माध्यम से जिले में गोवर्धन सेवा एवं एकीकृत पशुधन विकास केन्द्रो का संचालन किया जा रहा है जिससे पशुओं को उत्तम व समय पर चिकित्सा सुविधा के साथ-साथ नस्ल सुधार कार्य में भी अच्छे परिणाम मिल रहे है। भविष्य में इस सुविधा का अन्य क्षेत्रो में विस्तार किये जाने का प्रयास किया जाएगा। गौठान गोड़बहाल रिपा में दुग्ध प्रसंस्करण केंद्र इसका उदाहरण है। यह जिला आकांक्षी जिला में शामिल है। दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राज्य विकास निगम ने हाथ बढ़ाया है। जो निश्चित तौर पर पशुपालकों के लिए मददगार साबित हो रहा है।

पूरी ताकत से मैदान में उतरना है और भाजपा का झंडा ऊंचा रखना है: बृजमोहन

रायपुर (ए)। भारतीय जनता पार्टी सिविल लाइन मंडल की कार्यसमिति बैठक विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर उपस्थित मंडल के सभी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने भारतीय जनता पार्टी की आगामी कार्य योजना पर प्रकाश डाला। विशेष रुप से केंद्र की भाजपा सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर 30 मई से 30 जून तक चलाए जाने वाले विशेष जनसंपर्क अभियान पर बात रखी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि यह चुनावी वर्ष है ऐसे में पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरना है और अपनी पार्टी की रीति नीति के अनुसार कार्य करते हुए भाजपा का झंडा बुलंद करना है। बृजमोहन ने कार्यकर्ताओं को बताया कि केंद्र की हमारी भाजपा सरकार की बीते 9 वर्षो की उपलब्धियों से जन-जन को अवगत कराने के उद्देश्य से पार्टी संगठन विशेष जनसंपर्क अभियान चलेगा जिसके तहत 11 कार्यक्रम लोकसभा स्तर की तथा 6 कार्यक्रम विधानसभा स्तर के किए जाएंगे। जिसमें सभी भाजपा मंडलों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा के 15 साल के विकासकार्य से भी जनता को अवगत कराएंगे।

छत्तीसगढ़ में अब तक तीन चौथाई तेंदूपत्ता का संग्रहण पूर्ण

16.72 लाख मानक बोरा के लक्ष्य के विरूद्ध 12.27 लाख मानक बोरा संग्रहित

श्रीकंचनपथ न्यूज

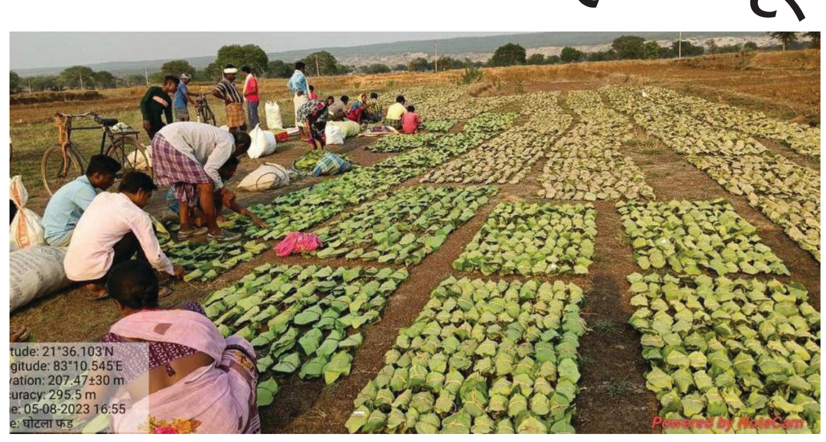

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तेन्दूपत्ता संग्रहण वर्ष 2023 के दौरान अब तक 12 लाख 27 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया जा चुका है, जो लक्ष्य के 75 प्रतिशत के करीब है। ज्ञातव्य है कि राज्य में चालू वर्ष के दौरान 16 लाख 72 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता के संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। वन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में वनांचल के आदिवासी-वनवासियों द्वारा तेंदूपत्ता का संग्रहण कार्य तेजी से जारी है।

प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ अनिल राय से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में अब तक संग्रहित मात्रा में से वनमण्डल बीजापुर में 73 हजार 99 मानक बोरा तथा सुकमा में एक लाख 19 हजार 243 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण शामिल है। इसी तरह वनमण्डल दंतेवाड़ा में 15 हजार 630 मानक बोरा, जगदलपुर में 20 हजार 971 मानक बोरा, दक्षिण कोण्डागांव में 18 हजार 608 मानक बोरा तथा केशकाल में 24 हजार 963 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है। वनमण्डल नारायणपुर में 18 हजार 485 मानक बोरा, पूर्व भानुप्रतापपुर में 90 हजार 649 मानक बोरा, पश्चिम भानुप्रतापपुर में 32 हजार 196 मानक बोरा, तथा कांकेर में 33 हजार 342 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हो चुका है।

इसी तरह वनमण्डल राजनांदगांव में 60 हजार 569 मानक बोरा, खैरागढ़ में 24 हजार 49 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हुआ है। बालोद में 19 हजार 17 मानक बोरा, कवर्धा में 32 हजार 97 मानक बोरा, वनमण्डल धमतरी में 20 हजार 584 मानक बोरा, गरियाबंद में 77 हजार 570 मानक बोरा, महासमुंद 70 हजार 78 मानक बोरा तथा बलौदाबाजार 15 हजार 949 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया गया है। वनमण्डल बिलासपुर में 25 हजार 200 मानक बोरा, मरवाही 10 हजार 683 मानक बोरा, जांजगीर-चांपा में 6 हजार 881 मानक बोरा, रायगढ़ में 49 हजार 23 मानक बोरा, धरमजयगढ़ में 70 हजार 861 मानक बोरा, कोरबा में 43 हजार 705 मानक बोरा तथा कटघोरा में 56 हजार 844 मानक बोरा का संग्रहण हुआ है। इसी तरह वनमण्डल जशपुर में 27 हजार 291 मानक बोरा, मनेन्द्रगढ़ 22 हजार 530 मानक बोरा, कोरिया में 15 हजार 626 और सरगुजा में 20 हजार 595 मानक बोरा, बलरामपुर में 71 हजार 156 मानक बोरा, सूरजपुर में 39 हजार 148 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण हो चुका है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

प्रियंका चोपड़ा ने बोल्ड ड्रेस में हिलाया इंटरनेट

ग्लोबल स्टार बन चुकी अदाकारा प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट फोटोशूट्स से फैंस के बीच खलबली मचा दी है। अदाकारा का लेटेस्ट फोटोशूट सोशल मीडिया पर आते ही छा गया। इस फोटोशूट में अदाकारा एक नामी इंटरनेशनल मैगजीन के लिए बोल्ड ड्रेसेस में पोज करती दिखीं। अदाकारा की ये तस्वीरें इंस्टाग्राम की दुनिया मे आते ही तहलका मचाती दिख रही हैं। अदाकारा की इन तस्वीरों को देखने के बाद फैंस उनकी बोल्डनेस को देख हैरान होते दिखे। यहां देखें अदाकारा प्रियंका चोपड़ा की सामने आईं लेटेस्ट फोटोशूट की फोटोज।

कैनेडी में सनी की हंसी को परफेक्ट करने पर अड़े रहे थे अनुराग कश्यप

एक्ट्रेस सनी लियोनी अनुराग कश्यप की फिल्म कैनेडी से कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू कर रही हैं। फिल्म एक अनिद्राग्रस्त पूर्व पुलिस अधिकारी केनेडी की कहानी है, जिसे सालों से मृत मान लिया गया है। सनी लियोन ने फिल्म में चार्ली नाम की एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायी हैं।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा- यह एक जटिल किरदार है। वह जिस चीज को सबसे ज्यादा छिपाती है, वह है हंसी। मेरा मानना है कि वह एक ऐसी महिला है जो दो अलग-अलग दुनिया में फंसी हुई है, एक वह है जिसमें वह रहना चाहती है और एक वह है जिसमें वह फंसी हुई है। मुझे इस किरदार को निभाने में बहुत मजा आया। वह हर पल जितना संभव हो सके, उतना मजबूत होने की पूरी कोशिश कर रही है। फिल्म में लियोन की हंसी बेहद खास है। उन्होंने बताया कि मेरी हंसी को मेरे करेक्टर से मैच करने के लिए कश्यप अड़े रहे थे। एक्ट्रेस ने वैराइटी को बताया- यह कुछ ऐसा है, जो मैंने पहले कभी नहीं किया, इसलिए मुझे काफी प्रैक्टिस करनी पड़ी। मैंने कार चलाने की प्रैक्टिस की, मैंने अपने परिवार, अपने बच्चों, अपने पति, अपने दोस्तों के सामने प्रैक्टिस की। मैंने सेट पर गाने की शूटिंग या किसी चीज की शूटिंग के बीच में चार्ली की तरह हंसने की प्रैक्टिस की। एक्ट्रेस ने कहा, इस तरह, जब मैं सेट पर पहुंची, तो यह मेरे सिस्टम से बाहर था, ऐसा कुछ नहीं था जिसके बारे में मुझे अजीब लगा हो, यह सिर्फ मेरे करेक्टर का हिस्सा था।

200 करोड़ के बाद द केरला स्टोरी के कारोबार में आई बड़ी गिरावट

जब द केरला स्टोरी पहली बार सिनेमाघरों में रिलीज हुई, तो इसने बॉक्स ऑफिस पर काफी दहाड़ मारी। फिल्म धार्मिक रूपांतरण, आईएसआईएस और तीन महिलाओं के इर्द-गिर्द के गंभीर विषय पर आधारित है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने के बाद, फिल्म ने 23 मई को अब तक का सबसे कम कलेक्शन किया। तमाम विवादों के बीच यह फिल्म 5 मई को रिलीज हुई थी। यह बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। 18वें दिन फिल्म 200 करोड़ रुपये के क्लब को पार करने में भी कामयाब रही। शुरुआती व्यापार अनुमानों के अनुसार, फिल्म ने कथित तौर पर अपने दिन 19 के संग्रह में भारी गिरावट देखी। इसने बॉक्स ऑफिस पर 4 करोड़ रुपये की कमाई की, जो अब तक का इसका सबसे कम कलेक्शन है। इसलिए, द केरल स्टोरी का कुल संग्रह अब 207.47 करोड़ रुपये है। 23 मई को हिंदी में कुल 13.84 प्रतिशत की ऑक्यूपेंसी थी।

द केरला स्टोरी अदा शर्मा द्वारा अभिनीत केरल की एक हिंदू महिला की कहानी है। इस्लाम अपनाने के लिए उसका ब्रेनवॉश किया जाता है और उसे सीरिया भेज दिया जाता है, जहां उसे आईएसआईएस आतंकवादी संगठन में शामिल होने के लिए मजबूर किया जाता है। वहां उसे प्रताड़ित किया जाता है। फिल्म सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित है। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही द केरला स्टोरी सवालों के घेरे में है।

स्थापत्य एवं वास्तुकला का बेजोड़ नमूना है उदयपुर

झीलों को देखने आते हैं पर्यटक

भारतीय राज्य राजस्थान के दक्षिणी भाग में, उदयपुर समुद्र तल से 598 मीटर ऊपर स्थित एक शहर है। राजस्थान में छुट्टियां बिताने के लिए यह सबसे अच्छी जगह है। उदयपुर का मनमौजी शहर झीलों, शानदार महलों, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और चटपटे स्वादिष्ट व्यंजनों का केंद्र है। उदयपुर के किलों और महलों को किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। उदयपुर के शाही आकर्षण को देखने के लिए दुनिया भर से पर्यटक उदयपुर आते हैं। लुभावनी वास्तुकला राजस्थान के महाराजाओं की शाही जीवन शैली की झलक देती है। उदयपुर के किलों और महलों की भव्यता इसे राजस्थान के शीर्ष पर्यटन स्थलों में से एक बनाती है। उदयपुर में यात्रा करने के लिए कुछ सबसे लोकप्रिय किले और महल हैं सिटी पैलेस, जग मंदिर महल, फतेह प्रकाश पैलेस, ताज लेक पैलेस, बागोर की हवेली आदि। तो, परिवार की छुट्टी के साथ-साथ दोस्तों के साथ छुट्टियां मनाने के लिए, उदयपुर सबसे बेहतरीन विकल्प है।

उदयपुर, निश्चित रूप से आपके शरीर और आत्मा को फिर से जीवंत कर देगा क्योंकि कई झीलें इस शहर को सुशोभित करती हैं। इसी खास वजह से उदयपुर को पूरब का वेनिस भी कहा जाता है। उदयपुर की झीलें आकर्षण और मंत्रमुग्धता की कविता हैं जो युगों से पर्यटकों को लुभाती रही हैं।

उदयपुर का सिटी पैलेस

सिटी पैलेस की स्थापना 16वीं शताब्दी में आरम्भ हुई। इसे स्थापित करने का विचार एक संत ने राजा उदयसिंह द्वितीय को दिया था। इस प्रकार यह परिसर 400 वर्षों में बने भवनों का समूह है। यह एक भव्य परिसर है। इसे बनाने में 22 राजाओं का योगदान था। इस परिसर में प्रवेश के लिए टिकट लगता है। बादी पॉल से टिकट लेकर आप इस परिसर में प्रवेश कर सकते हैं। परिसर में प्रवेश करते ही आपको भव्य त्रिपोलिया गेट दिखेगा। इसमें सात आर्क हैं। ये आर्क उन सात स्मवरणोत्सैवों का प्रतीक हैं जब राजा को सोने और चांदी से तौला गया था तथा उनके वजन के बराबर सोना-चांदी को गरीबों में बांट दिया गया था। इसके सामने की दीवार अंगद कहलाती है। यहां पर हाथियों की लड़ाई का खेल होता था। इस परिसर में एक जगदीश मंदिर भी है। इसी परिसर का एक भाग सिटी पैलेस संग्रहालय है। इसे अब सरकारी संग्रहालय घोषित कर दिया गया है। वर्तमान में शम्भूक निवास राजपरिवार का निवास स्थानन है। इससे आगे दक्षिण दिशा में फतह प्रकाश भवन तथा शिव निवास भवन है। वर्तमान में दोनों को होटल में परिवर्तित कर दिया गया है।

पिछोला झील

पिछोला झील उदयपुर के पश्चिम में पिछोली गांव के निकट इस झील का निर्माण राणा लखा के काल (14वीं शताब्दी के अंत) में पीछू चिड़िमार बंजारे ने करवाया था। महाराणा उदयसिंह द्वितीय ने इस शहर की खोज के बाद इस झील का विस्तार कराया था। झील में दो द्वीप हैं और दोनों पर महल बने हुए हैं। एक है जग निवास, जो अब लेक पैलेस होटल बन चुका है और दूसरा है जग मंदिर, उदयपुर। दोनों ही महल राजस्थानी शिल्पकला के बेहतरीन उदाहरण हैं, इन्हें नाव द्वारा जाकर देखा जा सकता है।

इस झील पर चार द्वीप है–

- जग निवास, जहां पर लेक पैलेस बना हुआ है।
- जग मंदिर, जहां पर इसी नाम से महल बना हुआ है।
- मोहन मंदिर, जहां से राजा वार्षिक गणगौर उत्सव को देखते थे।
- अरसी विलास, एक छोटा द्वीप जो पहले गोलाबारूद गोदाम था, एक छोटा महल भी है। यह उदयपुर के महाराणा द्वारा झील से सूर्यास्त का आनंद लेने के लिए बनाया गया था।

यह झील मीठे पानी की कृत्रिम झील है। इस झील का मनोरम दृश्य इतना सुंदर है कि यह बरबस ही पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। इस झील के किनारे दूध तलाई स्थित है। झील के तट पर एक नटनी का चबूतरा है और समीप ही हवालाग्राम या शिल्पग्राम है, उत्तर में अमर कुंड स्थित है इसी में राजस्थान की प्रथम सौर ऊर्जा संचालित नाव चलाई गई।

सज्जनगढ़ मानसून पैलेस

मानसून पैलेस, जिसे सज्जन गढ़ पैलेस के रूप में भी जाना जाता है, भारत के राजस्थान के उदयपुर शहर में फतेह सागर झील के दृश्य के साथ एक पहाड़ी महलनुमा निवास है। इसका नाम मेवाड़ राजवंश के महाराणा सज्जन सिंह (1874-1884) के नाम पर सज्जनगढ़ रखा गया है, जिनके लिए इसे 1884 में बनाया गया था। महल शहर की झीलों, महलों और आसपास के ग्रामीण इलाकों का मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है। यह मुख्य रूप से मानसून के बादलों को देखने के लिए बनाया गया था, इसलिए, इसे लोकप्रिय रूप से मानसून पैलेस के रूप में जाना जाता है। कहा जाता है कि महाराणा ने इसे अपने पैतृक घर चित्तौड़गढ़ का नजारा लेने के लिए पहाड़ी की चोटी पर बनवाया था। पहले मेवाड़ शाही परिवार के स्वामित्व में था, अब यह राजस्थान सरकार के वन विभाग के नियंत्रण में है और हाल ही में इसे जनता के लिए खोल दिया गया है। महल सूर्यास्त का एक सुंदर दृश्य प्रदान करता है।

इसके निर्माता महाराणा सज्जन सिंह ने मूल रूप से इसे पांच मंजिला खगोलीय केंद्र बनाने की योजना बनाई थी। महाराणा सज्जन सिंह की अकाल मृत्यु से योजना रद्द हो गई। इसके बाद इसे मानसून महल और शिकार लॉज में बदल दिया गया। उदयपुर के ठीक बाहर, अरावली पहाड़ियों में ऊंचा, महल शाम को रोशन होता है, जिससे सुनहरी नारंगी चमक मिलती है। महल का उपयोग 1983 की जेम्स बॉन्ड फिल्म ऑक्टोपसी में निर्वासित अफगान राजकुमार कमाल खान के निवास के रूप में किया गया था।

फतेह सागर झील

फतेह सागर उदयपुर स्थित एक सुंदर झील है। इसका निर्माण महाराणा फतेहसिंह द्वारा करवाया गया था। पिछोला झील से यह झील जुड़ी हुई है। यह पिछोला झील से डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। नाशपाती के आकार की यह एक खूबसूरत और कृत्रिम झील है। फतेहसागर झील उदयपुर की चार प्रसिद्ध झीलों में से है, जिसे शहर का गौरव माना जाता है। राजस्थान के उदयपुर जिले में स्थित इस मीठे पानी की झील का निर्माण मेवाड़ के शासक जयसिंह ने 1678 ई. में करवाया था। कुछ वर्षों बाद यह झील अतिवृष्टि होने के कारण नष्ट हो गई। तब इसका पुर्ननिर्माण 1889 में महाराजा फतेहसिंह ने करवाया तथा इसकी आधार शिला ड्यूक ऑफ कनॉट द्वारा रखी गई थी, जो महारानी विक्टोरिया के पुत्र थे। अत- इस झील को फतेहसागर झील कहा गया। पिछोला झील और रंग सागर झील से फतह सागर झील एक नहर के द्वारा जुड़ी हुई है। अपने सुंदर नीले पानी और हरे-भरे परिवेश की वजह से इस झील को दूसरा कश्मीर के रूप में जाना जाता है। इस झील में टापू है, जिस पर नेहरू उद्यान बना हुआ है। झील में सौर वैद्यशाला भी बनी है, जिसे अहमदाबाद संस्थान ने 1975 में बनवाया था। यह भारत की पहली सौर वैद्यशाला है। इसी झील के समीप बेल्जियम निर्मित टेलिस्कोप की स्थापना सूर्य और उसकी गतिविधियों के अध्ययन के लिए की गई। फतेहसागर झील से उदयपुर को पेय जल की आपूर्ति की जाती है। उदयपुर के देवाली नामक गांव में स्थित होने के कारण इसे देवाली तालाब भी कहा जाता है। रामप्रताप पैलेस फतेहसागर झील के तट पर ही स्थित है।

सहेलियों की बारी

सहेलियों की बारी (आंगन या दासियों का बगीचा) भारतीय राज्य राजस्थान के उदयपुर में एक प्रमुख उद्यान और एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। यह शहर के उत्तरी भाग में स्थित है और इसमें फव्वारे और कियोस्क, एक कमल पूल और संगमरमर के हाथी हैं। इसे राणा संग्राम सिंह ने बनवाया था। यहां एक छोटा संग्रहालय भी है जिसमें भारतीय इतिहास के बारे में काफी जानकारी है। सहेलियों की बाड़ी को अड़तालीस युवतियों के समूह के लिए रखा गया था। यह उद्यान फतेह सागर झील के तट पर स्थित है, इसे 1710 से 1734 के बीच महाराणा संग्राम सिंह ने शाही महिलाओं के लिए बनवाया था। किंवदंती के अनुसार, बगीचे को स्वयं राजा ने डिजाइन किया था और उन्होंने इस उद्यान को अपनी रानी को उपहार में दिया था। विवाह में रानी के साथ 48 दासियां थीं। उन सभी को कचहरी के राजनीतिक षडयंत्रों से दूर सुखद क्षण प्रदान करने के लिए यह उद्यान बनाया गया था। यह बगीचा शाही महिलाओं के आराम करने का लोकप्रिय स्थान हुआ करता था। रानी अपनी दासियों और सखियों के साथ यहां घूमने आती थीं और फुरसत में अपना समय व्यतीत करती थीं।

छुट्टियों के लिए उदयपुर जाने का सबसे अच्छा समय

उदयपुर एक उष्णकटिबंधीय जलवायु का आनंद लेता है। अरावली पर्वतमाला और झीलों की उपस्थिति उदयपुर के मौसम को राजस्थान के अन्य राज्यों की तुलना में सहने योग्य और सुखद बनाती है। उदयपुर घूमने का सबसे अच्छा समय सर्दियों का होता है। गर्मियों की चिलचिलाती गर्मी के अभाव में सर्दियों के दौरान पर्यटन स्थलों का भ्रमण बिल्कुल आनंददायक होता है।

जग मंदिर

जग मंदिर पिछोला झील में एक द्वीप पर बना एक महल है। इसे लेक गार्डन पैलेस भी कहा जाता है। महल भारत के राजस्थान राज्य के उदयपुर शहर में स्थित है। इसके निर्माण का श्रेय मेवाड़ राज्य के सिसोदिया राजपूतों के तीन महाराणाओं को जाता है। महल का निर्माण 1551 में महाराणा अमर सिंह द्वारा शुरू किया गया था, महाराणा कर्ण सिंह (1620-1628) द्वारा जारी रखा गया और अंत में महाराणा जगत सिंह प्रथम (1628-1652) द्वारा पूरा किया गया। इसका नाम अंतिम महाराणा जगत सिंह के सम्मान में जगत मंदिर रखा गया है। शाही परिवार ने महल का उपयोग गर्मियों के रिसॉर्ट और पार्टियों के आयोजन के लिए आनंद महल के रूप में किया। जग मंदिर पिछोला झील (निकटवर्ती पिछोली गांव के नाम पर) के दक्षिणी छोर पर दो प्राकृतिक द्वीपों में से एक में स्थित है। झील को शुरू में 15 वीं शताब्दी में एक स्थानीय बंजारा आदिवासी सरदार द्वारा धाराओं के पार अनाज ले जाने के लिए बनाया गया था। महाराणा उदय सिंह द्वितीय के शासनकाल के दौरान, 1560 में, दो धाराओं में बांधों का निर्माण करके झील का काफी विस्तार किया गया था। उस समय महाराणा ने झील के बीच में द्वीपों पर जग मंदिर और लेक पैलेस (जग निवास होटल) भी बनवाया था। उदयपुर शहर अपने सिटी पैलेस और अन्य स्मारकों और मंदिरों के साथ झील की परिधि पर बनाया गया था।

एकलिंगजी मंदिर

एकलिंगजी उदयपुर जिले में एक हिंदू मंदिर परिसर है। यह मेवाड़ की पूर्व राजधानी यानी नागदा के पास कैलाशपुरी गाँव गिरवा तहसील, उदयपुर में स्थित है। एकलिंगजी को मेवाड़ रियासत का शासक देवता माना जाता है और महाराणा उनके दीवान के रूप में शासन करते हैं। एकलिंगजी के मूल मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी के शासक बप्पा रावल ने किया था। दिल्ली सल्तनत के शासकों द्वारा आक्रमण के दौरान मूल मंदिर और मूर्ति को नष्ट कर दिया गया था। सबसे पुरानी मौजूदा मूर्ति हमीर सिंह 14वीं शताब्दी द्वारा स्थापित की गई थी, जिन्होंने मुख्य मंदिर का व्यापक जीर्णोद्धार भी किया था। राणा कुंभा (15वीं शताब्दी) ने विष्णु मंदिर के निर्माण के अलावा, मंदिर का पुनर्निर्माण किया। उनका 1460 का शिलालेख उन्हें एकलिंग का निजी नौकर के रूप में वर्णित करता है। 15वीं सदी के अंत में मालवा सल्तनत के गियाथ शाह ने मेवाड़ पर हमला किया और एकलिंगजी के मंदिर को तबाह कर दिया। कुंभा के बेटे राणा रायमल 1473-1509 ने उसे हरा दिया और उसे पकड़ लिया, और उसकी रिहाई के लिए फिरौती प्राप्त की। इस फिरौती के साथ, रायमल ने मंदिर परिसर के अंतिम प्रमुख पुनर्निर्माण का संरक्षण किया और वर्तमान मूर्ति को मुख्य मंदिर में स्थापित किया। मूल रूप से, मंदिर संभवत- पशुपत संप्रदाय का था और बाद में नाथ संप्रदाय की हिरासत में था। 16वीं शताब्दी में, यह रामानंदियों के नियंत्रण में आ गया।

जगदीश मंदिर

उदयपुर के मध्य में शाही महल के ठीक बाहर एक बड़ा हिंदू मंदिर है। यहां 1651 से लगातार पूजा हो रही है। एक बड़ा पर्यटक आकर्षण, मंदिर को मूल रूप से जगन्नाथ राय का मंदिर कहा जाता था, लेकिन अब इसे जगदीश मंदिर कहा जाता है। यह उदयपुर का एक प्रमुख स्मारक है। जगदीश मंदिर एक ऊंचे चबूतरे पर बना है और 1651 में बनकर तैयार हुआ था। यह एक दो मंजिला मंडप (हॉल) को एक दो मंजिला संधारा (एक ढकी हुई एंबुलेंस के साथ) गर्भगृह से जोड़ता है। मंडप में पिरामिड समवर्ण (बेलरूफ) के भीतर एक और मंजिल है, जबकि गर्भगृह के ऊपर खोखले गुच्छेदार शिखर में दो और गैर-कार्यात्मक कहानियां हैं। मुख्य मंदिर तक पहुँचने के लिए, 32 संगमरमर की सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती हैं। जगदीश मंदिर हिंदू आइकनोग्राफी का सबसे सुंदर उदाहरण है, जिसमें हाथ से नक्काशीदार पत्थर की तीन मंजिलें हैं, जिसमें लगभग 79 फीट ऊंची एक मीनार है और यह उदयपुर का सबसे बड़ा मंदिर है। कई शहरपनाह (शहर की दीवार) से निकलने वाली गलियां जगदीश मंदिर पर मिलती हैं। मंदिर में सबसे खूबसूरत घटना वार्षिक रथ यात्रा है। इसे 1651 में महाराणा जगत सिंह ने बनवाया था। जगदीश मंदिर महा मारू या मारू-गुर्जर वास्तुकला का एक शानदार उदाहरण है, सुंदर और अलंकृत नक्काशी से सजाया गया है। सिटी पैलेस से थोड़ी दूर चलने पर आप इस मंदिर तक पहुंच जाएंगे। मंदिर के गर्भगृह में भगवान जगन्नाथ की एक मूर्ति है, जो भगवान विष्णु या भगवान कृष्ण की है, जो एक ही काले पत्थर से उकेरी गई है, जो चार भुजाओं, फूलों और सज्जा के साथ देदीप्यमान है। भगवान गणेश, सूर्य, देवी शक्ति और भगवान शिव को समर्पित चार छोटे मंदिर, मुख्य मंदिर के चारों ओर एक घेरा बनाते हैं, जिसमें भगवान विष्णु की मूर्ति है। ऐसा कहा जाता है कि 1651 में भवन के निर्माण के लिए अनुमानित रुपये 1.5 मिलियन खर्च किए गए थे।

बागोर की हवेली संग्रहालय

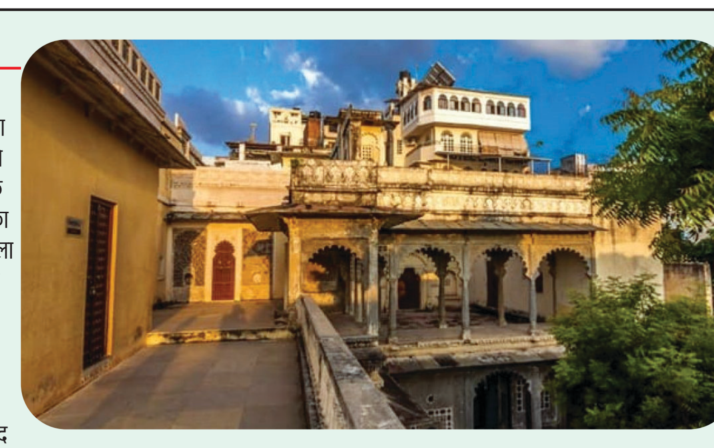

उदयपुर में एक हवेली है। यह गंगोरी घाट पर पिछोला झील के तट पर है। मेवाड़ के प्रधानमंत्री अमर चंद बडवा ने इसे अठारहवीं शताब्दी में बनवाया था। महल में सौ से अधिक कमरे हैं, जिनमें वेशभूषा और आधुनिक कला के प्रदर्शन हैं। अंदरूनी हिस्सों में कांच और दर्पण हवेली का काम है। यह रानी के कक्ष की दीवारों पर मेवाड़ चित्रकला का बेहतरीन नमूना है। रंगीन कांच के छोटे-छोटे टुकड़ों से बने दो मोर कांच के काम के उदाहरण हैं। अमरचंद बडवा, एक सांध्य ब्राह्मण, जो 1751 से 1778 तक मेवाड़ के प्रधानमंत्री थे, ने क्रमश- महाराणा प्रताप सिंह द्वितीय, राज सिंह द्वितीय, अरी सिंह और हमीर सिंह के शासनकाल में इस हवेली का निर्माण किया था। अमरचंद की मृत्यु के बाद, भवन मेवाड़ी शाही परिवार के अधिकार क्षेत्र में आ गया और बागोर की हवेली पर तत्कालीन महाराणा के रिश्तेदार नाथ सिंह का कब्जा था। 1878 में, सज्जन सिंह के प्राकृतिक पिता, बागोर के महाराज शक्ति सिंह ने हवेली का विस्तार किया और ट्रिपल-धनुषाकार प्रवेश द्वार का निर्माण किया। यह 1947 तक मेवाड़ राज्य के कब्जे में रही। स्वतंत्रता के बाद, राजस्थान सरकार ने इसका उपयोग किया लेकिन इसकी सार-सम्भाल सही तरीके से नहीं हुई, लगभग चालीस वर्षों में हवेली की स्थिति बहुत खराब हो गई। अंततः सरकार को हवेली पर अपनी पकड़ छोड़ने के लिए राजी किया गया और 1986 में इसे पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र को सौंप दिया गया था।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

एसडीएम ने लिया विकासखंड स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक

जशपुरनगर। विकासखंड स्वास्थ्य समिति पत्थलगांव की बैठक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की अध्यक्षता में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पत्थलगांव के सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। जिसमें सिकलसेल नियंत्रण कार्यक्रम, ब्लड स्टोरेज यूनिट की स्थापना की अद्यतन स्थिति की जानकारी, मुख्यमंत्री हाट बाजार योजना, एनीमिया मुक्त जशपुर अंतर्गत प्रगति, टीवी, कुष्ठ एवं एनसीडी के प्रगति की समीक्षा, आयुष्मान भारत कार्ड बनाने की प्रगति की समीक्षा, एचडब्ल्यू सी के मासिक ओपीडी की समीक्षा, आरसीएच पोर्टल पर शत प्रतिशत एंट्री एवं संस्थागत प्रसव के प्रगति की समीक्षा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पूर्ण टीकाकरण, चिरायु कार्यक्रम के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग से आपसी समन्वय कर 0 से 6 वर्ष के सभी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, मातृ एवं शिशु मृत्यु की ऑडिट की समीक्षा, साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड, एचआईवी परीक्षण एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम संबंधी विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का लक्ष्य के विरुद्ध कार्य योजना बनाकर शत प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित किए जाने हेतु निर्देश विकासखंड स्तरीय स्वास्थ्य अमला को दी गई। इस बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री एस. लाल, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. जेम्स मिंज,महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक, सभी सेक्टर के इंचार्ज एवं सुपरवाइजर, एम. टी., बी. सी., आर. एच. ओ. महिला एवं पुरुष तथा अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

नीट प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी हेतु वॉक- इन- इंटरव्यू 07 जून को

जशपुरनगर। जिला प्रशासन द्वारा संचालित संकल्प शिक्षण संस्था, छ.ग. में नीट प्रतियोगिता परीक्षा हेतु, जीव विज्ञान संकाय के शिक्षक की आवश्यकता है। उम्मीदवार वनस्पति विज्ञान अथवा जीव विज्ञान अथवा बायो टेक्नोलॉजी में एम. एस. सी होना आवश्यक है। प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान में न्यूनतम दो वर्ष के अनुभव एवं पी. एच. डी. डिग्रीधारी को प्राथमिकता दी जायेगी। योग्य उम्मीदवार दिनांक 07 जून 2023 को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे के बीच अपने मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र के साथ संकल्प शिक्षण संस्थान जशपुर में उपस्थित हो सकते है। उम्मीदवार अपना संक्षिप्त जानकारी sankalpjsp@gmail.com में भी भेज सकते है। वेतन योग्यतानुसार तय की जायेगी। कोई टी. ए. डी. ए. का भुगतान नही किया जायेगा। अधिक जानकारी हेतु जशपुर जिले के वेबसाईट https://jashpur.nic.in/ पर देख सकते है।

चंदूलाल चंद्राकर शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में पुलिस सहायता केंद्र स्थापित

दुर्ग। चंदूलाल चंद्राकर शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कचौंदूर, दुर्ग मे आज पुलिस सहायता केंद्र की स्थापना की गई । इस केंद्र का शुभारम्भ ज़िले के पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पी. के. पात्रा, अस्पताल अधीक्षक डॉ. अतुल मनोहरराव देशकर, उप अधीक्षक डॉ. कुलदीप सांगा एवं जिले के सी.एस. पी. विवेक बैंकर, सभी विभागध्यक्ष ,चिकित्सा शिक्षक, नर्सिंग व अन्य स्टॉफ भी उपस्थित थे। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ अंचल के इस अग्रणी चिकित्सा महाविद्यालय में बड़ी संख्या में मरीजों का उपचार किया जाता है और जटिल ऑपरेशन भी किए जाने लगे हैं, ऐसे में पुलिस सहायता केंद्र स्थापित होने से अस्पताल के स्टॉफ की सुरक्षा के साथ ही मेडिको-लीगल केसेस की त्वरित चिकित्सा सुचारु रूप से की जा सकेगी।

बाड़ी की सब्जियों से समृद्धि का तड़का

एक सीजन में ही 60 हजार रूपये से अधिक की कमाई, अब जिमीकांदा, हल्दी की भी हो रही खेती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रसोई में बन रही सब्जी में तड़के से बदलते स्वाद की तरह ही सब्जी की खेती से गांव के महिला समूहों के सदस्यों के जीवन में समृद्धि का तड़का लग रहा है। गौठानों से जुड़ी बाड़ियों में सब्जियां उगाकर महिलाएं अब अतिरिक्त आमदनी कर रही है। रायपुर जिले के धरसीवां विकासखण्ड के चरौदा गौठान में सब्जी उत्पादन में लगी स्पर्श स्नेह महिला स्व-सहायता समूह की सदस्यों ने सब्जी की खेती कर एक सीजन में ही 60 हजार रूपये से अधिक की आमदनी कर ली है। अब यह समूह जिमीकांदा, हल्दी जैसे अधिक फायदा देने वाले सब्जी-मसालें की खेती कर रहा है। सब्जी बेंचकर स्व-सहायता समूह की महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हो रही है। होने वाले फायदे से घर-गृहस्थी चलाने में परिवार की सहयोगी भी बन रही है।

रायपुर जिले के धरसीवां विकासखंड अंतर्गत ग्राम चरौदा के गौठान में स्पर्श स्नेह स्व सहायता समूह की महिलाएं बाड़ी विकास योजना के तहत इस बार 4 एकड़ से अधिक में जिमी कांदा, हल्दी लगाई है। पिछले सीजन की तरह ही समूह की महिलाओं को इस बार भी मौसमी सब्जियों का उत्पादन कर एक निश्चित आय होने की उम्मीद हैं। समूह की अध्यक्ष किरण साहू ने बताया कि स्पर्श स्नेह स्व सहायता समूह में 13 सदस्य काम कर रही हैं। गत वर्ष समूह के सदस्यों द्वारा जिमी कांदा, मिर्ची, बैंगन सहित अन्य मौसमी सब्जी का उत्पादन किया गया। जिसमें उसे लगभग साठ हजार से अधिक की आमदनी हुई। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 2 एकड़ में जिमी कांदा और 2 एकड़ में हल्दी लगाया गया है। उन्होंने बताया कि समय-समय पर पंचायत ,उद्यानिकी ,पशुपालन एवं कृषि विभाग द्वारा आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान किया जाता है। समूह की अन्य दीदियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना एवं नरवा गरवा घुरवा बाड़ी योजना से समूह की महिलाओं को आजीविका गतिविधि करने हेतु प्रेरणा प्राप्त हुआ।

समूह की दीदीयों ने बताया कि चरोदा गौठान में वर्मी कंपोस्ट खाद निर्माण, बाड़ी विकास, बकरी पालन, मुर्गी पालन एवं अन्य आजीविकामुलक गतिविधियां संचालित की जा रही है। गौठान में पर्याप्त पानी एवं जमीन की उपलब्धता होने से उन्हें सब्जी उत्पादन में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं हो रही है। बाड़ी विकास योजना के तहत सभी दे दिया आप एक निश्चित आय अर्जित कर रही हैं जिससे उनका मान सम्मान बढ़ा है। उन्होंने बताया कि गौठान अजूबा गतिविधि से उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है तथा सभी महिलाएं आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सुदृढ़ हुई हैं। उन्होंने इसके लिए राज्य सरकार के प्रति आभार भी जताया है। साथियों उन्होंने यह भी कहा कि आजीविका गतिविधि हेतु शासकीय विभागों के द्वारा प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन की और आवश्यकता है।

यूनिवर्सल रेल मिल ने दैनिक उत्पादन का बनाया नया कीर्तिमान

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की यूनिवर्सल रेल मिल, जो दुनिया की सबसे लंबी 130 मीटर रेल को सिंगल पीस में रोल करती है और भारतीय रेलवे को 260 मीटर वेल्डेड रेल पैनल की आपूर्ति करती है, ने 24 मई 2023 को कई नए रिकॉर्ड बनाए हैं। 3 मार्च 2023 को स्थापित पिछले सर्वश्रेष्ठ 3328 टन फिनिष्ड रेल उत्पादन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 24 मई 2023 को 3415 टन फिनिष्ड रेल का उत्पादन का नया रिकॉर्ड दर्ज किया। फिनिष्ड रेल उत्पादन के साथ-साथ एक दिन में सबसे अधिक प्राइम रेल उत्पादन का नया रिकॉर्ड दर्ज करते हुए मिल ने 3321 टन प्राइम रेल का उत्पादन किया, जो 3 मार्च 2023 को उत्पादित 3194 टन प्राइम रेल के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड से कहीं अधिक है। यूनिवर्सल रेल मिल ने 4 सितंबर 2022 को स्थापित 130 मीटर रेल्स के 300 नग रोलिंग के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 24 मई, 2023 को 130 मीटर रेल्स के 337 नग रोलिंग कर दैनिक उत्पादन का नया कीर्तिमान भी स्थापित किया है।

इस कड़ी में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल ने 24 मई 2023 को सर्वश्रेष्ठ 437 नग रेलों का विजुअल इंस्पेक्शन का नया कीर्तिमान दर्ज करते हुए 3 मार्च 2023 को दर्ज किए 426 नग रेलों के विजुअल इंस्पेक्शन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। यूआरएम ने एनडीटी (नॉन-डिस्ट्रिक्टिव टेस्टिंग) के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ 430 नग रेलों का परीक्षण किया, जो 3 मार्च 2023 को एनडीटी परीक्षण के पिछले सर्वश्रेष्ठ 417 नग रेलों की तुलना में अधिक है।

मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना

21 अधोसरंचना निर्माण कार्यो के लिए 66 लाख 78 हजार रूपए स्वीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना वर्ष 2022-23 के अंतर्गत दुर्ग विकासखण्ड में कुल 66 लाख 78 हजार रूपए की 21 विभिन्न अधोसंरचना निर्माण कार्यो की अनुशंसा प्राप्त हुई है। अनुशंसित कार्य को संपादित कराए जाने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत दुर्ग को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। कार्यो का संपादन कार्यकारी एजेंसी संबंधित ग्राम पंचायत द्वारा की जाएगी।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्ग विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम रिसामा में सी.सी.रोड निर्माण (विभिन्न गलियों में) पार्ट-1 एवं पार्ट 2 प्रत्येक के लिए 2 लाख 60 हजार, ग्राम भानपुरी में निर्मलाघाट निर्माण (बड़े तालाब में) के लिए 2 लाख 60 हजार, ग्राम खपरी सी में निर्मलाघाट निर्माण (पुराना तालाब में) के लिए 2 लाख 60 हजार, ग्राम खुरसुल में सी.सी.रोड निर्माण (महावीर चौक से मेनरोड तक) के लिए 2 लाख 60 हजार, ग्राम तिरगा में निर्मलाघाट निर्माण (भरेंघाट नदी में) के लिए 2 लाख 60 हजार रूपए स्वीकृत किया गया है। ग्राम रसमड़ा में सीमेंटीकरण कार्य (विभिन्न गलियों में) पार्ट-1 एवं पार्ट-2 प्रत्येक के लिए 2 लाख 60 हजार, ग्राम बिरझेर में निर्मलाघाट निर्माण के लिए 2 लाख 60 हजार, ग्राम सिलोदा में सी.सी.रोड निर्माण (मेनरोड से तुकाराम घर तक) के लिए 2 लाख 60 हजार, ग्राम आमटी में सी.सी.रोड निर्माण (नंदलाल घर से अमृत निषाद घर तक) के लिए 2 लाख 60 हजार, ग्राम घुघसीडीह में निर्मलाघाट निर्माण (बांधा तालाब में) के लिए 2 लाख 60 हजार, ग्राम आमटी में निर्मलाघाट निर्माण (आबादी तालाब में) के लिए 2 लाख 60 हजार, ग्राम खपरी सि.में मुक्तिधाम में शेड निर्माण के लिए 4 लाख 79 हजार, ग्राम खुरसुल में मुक्तिधाम में शेड निर्माण के लिए 4 लाख 79 हजार, ग्राम रिसामा में दो सामुदायिक भवन निर्माण प्रत्येक के लिए 6 लाख 50 हजार रूपए की स्वीकृति प्रदान की गई है।

इसी प्रकार ग्राम डांडेसरा में सी.सी.रोड निर्माण (वार्ड क्रमांक 01 व 02 में) पार्ट-1 एवं पार्ट-2 और सी.सी. रोड निर्माण (वार्ड-1 में लतेला के घर से परदेशी के घर तक पार्ट-1 एवं पार्ट-2 प्रत्येक के लिए 2 लाख 60 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

बंजर भूमि की बदलेंगी जल्द ही तस्वीर

महिला स्व-सहायता समूहों के सदस्यों ने लेमन ग्रास के तैयार किए 3 लाख से अधिक पौधे, रोपण शीघ्र ही

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। गौठानों में काम करनें वाली महिला समूह अब केवल वर्मी कम्पोस्ट के निर्माण तक सीमित नहीं है। वह नित्य नये आजीविका गतिविधियों को प्रारंभ कर आर्थिक रूप से सशक्त होने के लिए लगातार प्रयासरत है। जिले के सिमगा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम कामता के गौठान में काम करने वाली गगन महिला स्व सहायता समूह ने एक मिशाल पेश की है। समूह की महिलाओं ने आपस मे मिलकर गौठान से लगे हुए करीब 5 से 6 एकड़ शासकीय बंजर भूमि में लेमन ग्रास की खेती करने की तैयारी कर रही है। जिसके प्रारंभिक चरण में समूह की महिलाओं ने 3 लाख से अधिक पौधे थरहा के रूप में गौठान में तैयार कर लिए है। जिसे जल्द ही बंजर जमीन में रोपण कर उसकी खेती की जाएगी। महिला स्व सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती सुमन बाई साहू ने बताया कि हमारे समूह में कुल 11 महिलाएं है। हम सब मिलकर

लेमन ग्रास के थरहा तैयार कर लिए है। जिसे बरसात आते ही रोपण करेंगे। इसके साथ ही गौठान के वर्किंग शेड में लेमन ग्रास से ऑयल निकालने का प्लांट भी स्थापित की जा रही है। ऑयल का एक्सट्रेक्शन कर उसको खुला मार्केट में विक्रय करने का लक्ष्य रखा गया है। उक्त प्रक्रिया से न केवल महिला स्व सहायता समूह को आर्थिक रूप से लाभ बल्कि गांव की बंजर पड़ी हुई भूमि का सदुपयोग एवं अतिक्रमण से संरक्षण मिल रहा है। उक्त स्व सहायता समूह गौठान में वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण भी करती है। अभी तक कुल 1198 क्विंटल गोबर की खरीदी गौठान में की गई है। जिसके विरूद्ध लगभग 341 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण हो चुका है। जिसमें से 311 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट का विक्रय सोसायटी के माध्यम से की जा चुकी है। गगन महिला स्व सहायता समूह को 85 हजार रूपये का लाभांश अभी तक प्राप्त हो चुका है। गौरतलब है कि लेमन ग्रास एक प्रकार की घास का पौधा है, जो प्रमुख रूप से दक्षिण भारत और श्रीलंका में उगता है। लेमन ग्रास में अनेक प्रकार के औषधीय गुण पाए जाते हैं, इसलिए इसकी पहचान एक लाभदायक जड़ी-बूटी के रूप में भी की जाती है। इसे हिन्दी में नींबू घास के नाम से भी जाना जाता है। लेमन ग्रास के पौधे के तने को एशिया में प्रमुख रूप से भोजन की सामग्री के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इससे कई आयुर्वेदिक दवाएं बनाई जाती हैं और साथ ही इसका इस्तेमाल कई स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज करने के लिए एक घरेलू नुस्खे के रूप में भी किया जाता है।

गोठानों से समृद्ध हो रही ग्रामीण अर्थव्यवस्था

गोठान मे जैविक खाद, सामुदायिक बाड़ी, मिनी राईस मिल से महिलाएं हो रही है सशक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के विकासखंड छुईखदान के ग्राम कोड़का (ग्राम पंचायत गोपालपुर) में गौठान से ग्रामीण अर्थव्यवस्था समृद्ध हो रही है, साथ ही स्व-सहायता समूह की महिलाएं आर्थिक दृष्टिकोण सक्षम हो रही है।'

ग्राम कोड़का से 03 साल पहले महात्मा गांधी नरेगा योजना से गौठान का निर्माण हुआ है। यहां कार्य करने वाली राधा-कृष्णा स्व सहायता समूह की महिलाओं ने वर्मी टांके मे अब तक कुल 791.90 क्विंटल वर्मी खाद और 165 क्विंटल सुपर खाद का निर्माण किया है। समूह को खाद विक्रय से अब तक उन्हें 7लाख 79 हजार रुपये की आय अर्जित हुई है। महिलाएं यहां केंचुओ का उत्पादन भी कर रही हैं। बीते छह महीनों में 24 किंटल केंचुआ बेचकर महिलाओं ने 4 लाख 62 हजार रूपए का शुद्ध मुनाफा कमाया है।

राधा स्व सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती मीना साहू का कहना है कि अपने घरेलू कार्यों के साथ साथ गोठान में जैविक खाद निर्माण, सामुदायिक बाड़ी में सब्जी उत्पादन, मिनी राईस मिल संचालन के साथ-साथ नर्सरी में पौधे की देख-भाल कार्य भी कर रही है। गौठानों में चलाई जा रही इन आर्थिक गतिविधियों से महिलाओं को नियमित रूप से आमदनी मिल रही है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है।

सामुदायिक बाड़ी से अर्जित कर रहे लाखों की आय

गोठान में तैयार की गई सामुदायिक बाड़ी में महिलाओं को पिछले 02 माह मे एक लाख रूपये की आय हई है। यहां आलू, प्याज, हल्दी, टमाटर एवं अन्य सब्जियो का उत्पादन लिया जा रहा है। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र छुईखदान के मार्गदर्शन में वर्तमान मे गोठान की भूमि में नर्सरी तैयार की जा रही है, इसके लिए 4 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। इससे यहां 40 हजार पौधें तैयार किए जाएंगे।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर...

कृषि विश्वविद्यालय के हास्टल में घुसकर विद्यार्थियों को पीटा

रायपुर (ए)। प्रदेश की राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के साथ बेरहमी से मारपीट का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार आम चोरी के शक में ठेकेदार के गुर्गों ने विद्यार्थियों को जमकर पीटा। बता दें हास्टल में घुसकर छात्रों से मारपीट की गई है। वहीं प्रबंधन ने मामले को रफा-दफा करा दिया। वहीं ठेकेदार ने छात्रों से माफी भी मांगी है। इस घटना से कृषि विश्वविद्यालय की सुरक्षा को लेकर कई बड़े सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। विद्यार्थियों के साथ की गई मारपीट का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

दरअसल, राकेश सोनकर नामक व्यक्ति को कृषि विश्वविद्यालय का ठेका प्रदान किया गया है। सामने आए सीसीटीवी फुटेज में साफ पता चल रहा है कि पहले तो बाइक में सवार हो कर कुछ लोग अंदर आए। उसके पीछे से हाथ में डंडा लिए एक व्यक्ति अंदर आता दिखाई दे रहा है।

एक स्टूडेंट ने अपनी बाइक रोकी तो, डंडा लेकर आया व्यक्ति उस स्टूडेंट से मारपीट करता हुआ दिखाई दे रहा है। इस घटना के बाद पीड़ित छात्रों ने कुलपति कक्ष का घेराव किया जिसके बाद जांच कमेटी बनाई गई। इसके बाद ठेकेदार ने छात्रों से माफी मांगी। बताया जा रहा है कि अंदरूनी तौर पर मामले को सुलझा लिया गया। वहीं पुलिस में कोई एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई है।

नक्सल फंडिंग पर करंसी स्ट्राइक

2000 के नोट जमा कराने ले जा रहे 2 सहयोगी गिरफ्तार, 6 लाख रुपए, 11 पासबुक जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पुलिस ने दो-दो हजार रुपये के नोटों के साथ नक्सलियों के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से छह लाख रुपये और 11 बैंक पासबुक भी बरामद हुई है। रिजर्व बैंक के दो हजार रुपये नोट वापस लेने के निर्णय के बाद आरोपी नक्सली रकम लेकर अलग-अलग बैंकों में जमा कराने के लिए जा रहे थे। बताया जा रहा है कि आरोपियों के पास से बरामद की गई रकम नक्सली कमांडर मल्लेश की है। उसने ही इन रुपयों को देकर जमा कराने के लिए भेजा था। मामला बीजापुर थाना क्षेत्र का है।

जवानों को देख भागने की कोशिश कर रहे थे आरोपी

जानकारी के मुताबिक, बीजापुर पुलिस और डीआरजी जवान शुक्रवार को महादेव घाट में एमसीपी ड्यूटी में तैनात थे। इसी दौरान भूरे रंग की बाइक पर दो लोग आते हुए दिखाई दिए। पुलिस पर नजर पड़ते ही बाइक सवार मुड़कर भागने की कोशिश करने लगे। इस पर जवानों ने दौड़कर उन्हें पकड़ लिया। बाइक सवारों के पास मिले बैग की तलाशी ली गई तो उसमे दो-दो हजार के नोटों के तीन बंडल मिले। हर बंडर में दो-दो लाख रुपये थे। इसके अलावा अलग-अलग बैंकों की 11 पासबुक और नक्सली पर्चा भी बरामद किया गया।

नक्सली कमांडर ने आठ लाख रुपये दिए थे जमा करने

पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने अपना परिचय बासागुड़ा के नरसापुर निवासी गजेंद्र माड़वी और लक्ष्मण कुंजाम बताया। पूछताछ के दौरान दोनों रकम से जुड़े कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इस पर जवानों ने अफसरों को सूचना दी और दोनों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में आरोपी गजेंद्र मंडावी ने अफसरों को रकम प्लाटून नंबर 10 के नक्सली कमांडर मल्लेश होना बताया। यह भी बताया कि दो हजार के नोट बंद होने पर मल्लेश ने आठ लाख रुपये पहचान वालों के खातों में जमा कराने के लिए दिए थे।

तीन बैंकों के अलग-अलग खातों में दो लाख जमा किए

आरोपी लक्ष्मण कुंजाम ने पीएनबी में 50 हजार, यूनियन बैंक में 48 हजार और गजेंद्र ने एसबीआई में 38 हजार व सेंट्रल बैंक में 50 हजार रुपये अलग-अलग खाते में जमा किए हैं। गजेंद्र ने बताया कि, बाकी रकम अलग-अलग दिनों में जमा करनी थी और शेष रेखापल्ली की तरफलेकर जाना था। गिरफ्तार आरोपियों में गजेंद्र माड़वी सिलगेर आंदोलन और मूलवासी बचाओ मंच का लीडर है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। साथ ही इससे यह भी सामने आया है कि नक्सली फंडिंग में अन्य लोग भी शामिल हैं।

स्निफर डॉग ने 11 साल के मासूम के कातिल को पकड़ा

रायगढ़ (ए)। पुलिस ने स्निफर डॉग रूबी के सामने कुछ संदिग्धों को खड़ा कर हत्या के मामले की जांच को आगे बढ़ाया। दो लोगों के पास से गुजरने के बाद स्निफर डॉग रूबी ने मृतक प्रीतम चौहान की चचेरी बहन ऊषा पर झपटा मारा। तुरंत ही ऊषा को हिरासत में लिया और सख्ती से पूछताछ की, तो उसने जुर्म कबूल कर लिया। रायगढ़ जिले में नाबालिग की हत्या के मामले का खुलासा स्निफर डॉग ने झपट्टा मारकर कर दिया। उसने 11 साल के मासूम की कातिल चचेरी बहन को एक झटके में पकड़ लिया।

मृतक प्रीतम और उसका परिवार ऊषा को चोरनी-चोरनी कह कर चिढ़ाते थे। इससे गुस्साई चचेरी बहन ऊषा ने मौका देखकर प्रीतम के सिर पर लोहे की रॉड से वार कर दिया। अपने 11 साल के चचेरे भाई की हत्या करके उसने लाश को स्कूल के अंदर फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपी लड़की को गिरफ्तार कर लिया है। हैरान कर देने वाली बात यह रही कि इस वारदात में लड़की को पकड़ने में पुलिस के स्निफर डॉग रूबी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रूबी ने मौके पर मिले सबूतों को सूंघकर सबसे पहले चचेरी बहन ऊषा चौहान पर झपट्टा मारा था।

रायपुर की डॉक्टर से 13 लाख की ठगी: मेट्रीमोनियल साइट के जरिए हुआ प्यार, फिर अलग-अलग बहाने से लिए रुपए, नाइजीरिया के 3 ठग गिरफ्तार

रायपुर (ए)। रायपुर की महिला डॉक्टर से 13 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। उसने मेट्रीमोनियल साइट पर किसी से दोस्ती की थी। इसके बाद दोनों के बीच प्यार हो गया। और फिर बात शादी तक पहुंच गई। इसके बाद से युवक ने गिफ्ट की डिमांड करने लगा। और लड़की भी समझ नहीं पाई। उसने गिफ्ट के नाम पर पैसे देने शुरू कर दिए। मामला पंडरी थाना क्षेत्र का है।

बताया जा रहा है, युवती ने मेट्रोमोनियल साइट पर अपना प्रोफाइल बनाया हुआ है। इसी साइट पर 14 अप्रैल को उसकी पहचान विकास कुमार नाम के शख्स से हुई थी। विकास ने बताया था कि वह स्कॉटलैंड में रहता है। जान पहचान के बाद दोनों ने दिनभर वॉट्सऐप पर बातें करने लगे। इस बीच विकास ने युवती से वादा कर दिया कि वो उससे शादी करना चाहता था।

पहले कस्टम के बहाने पैसे लिए

इसके बाद पेशे से डॉक्टर युवती भी राजी हो गई। दोनों की शादी की डेट भी फाइनल होने वाली थी। इस बीच विकास नाम के शख्स ने लड़की से कहा, तुम मुझे गिफ्ट भेज दो। डॉक्टर लड़की ने उसे गिफ्ट भी भेज दिया, लेकिन कुछ दिन बाद उसे फोन आया। फोन करने वाले शख्स ने कहा, मैं कस्टम डिपार्टमेंट से बोल रहा हूं। आपका गिफ्ट कस्टम में फंस गया है। यदि इसे आगे भेजना है तो 35 हजार रुपए देने होंगे।

उधर, उसकी बातों में आकर लड़की ने उसके खाते में 35 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद ठग ने अलग-अलग बहाने से उससे पैसे मांगे। कभी गिफ्ट के नाम पर, कभी किसी और बहाने से, ऐसा करते हुए डॉक्टर ने उसके दिए हुए खाते में 13 लाख 55 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। पैसे लेते वक्त भी आरोपी ये कहता रहा कि वो उससे शादी जरूर करेगा। लेकिन कुछ दिन बाद से विकास नाम के शख्स ने लड़की से बात करना बंद कर दिया था।

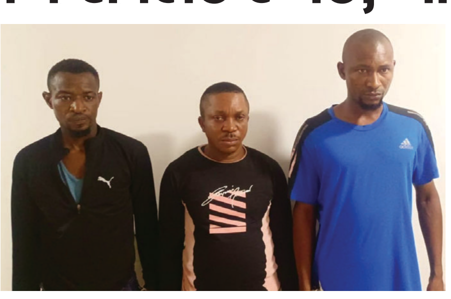

बात करना बंद किया तब खुला मामला

जब आरोपी ने लड़की से बात करना बंद कर दिया तो डॉक्टर भी हैरान रह गई। उसने कई बार युवक से संपर्क किया। लेकिन जब बार-बार संपर्क करने के बाद भी बात नहीं बनी। तब उसने पूरे मामले की शिकायत पुलिस से की है। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश की। नंबर ट्रेस करने पर पता चला लोकेशन दिल्ली की मिली।

पुलिस ने दिल्ली के सैनिक विहार कॉलोनी मोहन गार्डन स्थित एक मकान में रेड मारी। वहां से उन्हें तीन अ ारोपी मिले। जो नाइजीरिया के रहने वाले थे। पूछताछ में उन्होंने अपना गुनाह कबूल लिया। तीनों ने अपना नाम ईमानुअल, पोलिनुस(35), अगस्टीन(49) बताया है। पुलिस उन्हें अरेस्ट करके रायपुर ले आई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से दर्जनों मोबाइल फोन, दर्जनों पासबुक,चेक बुक और एटीएम कार्ड बरामद किया है।

देशभर में की करोड़ों की ठगी

पुलिस ने बताया कि इन ठगों ने आंध्र-प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मिलनाडू और तेलंगाना सहित देश के कई अन्य राज्यों में 19 वारदातों को अंजाम दिए हैं। ये महिलाओं को मेट्रोमोनियल साइट के जरिए झांसे में लेते थे। इनमें से दो आरोपियों का वीजा भी एक्सपायर हो गया था और वे अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। इन्होंने देशभर में करोड़ों रुपए की ठगी की है।

महामाया मंदिर में शराब व नॉनवेज पार्टी, पुलिस तक पहुंची शिकायत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में धर्म नगरी रतनपुर के महामाया मंदिर में शराबखोरी व नॉनवेज पार्टी करने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने मंदिर परिसर में न सिर्फ शराब पी बल्कि यहां पर बकरे का मटन व बिरयानी खाई और झूठन को वहीं फेंक दिया। सुबह जब मंदिर के पुजारियों ने यहां का नजारा देखा तो रतनपुर थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार महामाया मंदिर में पिकनिक मनाने आए कुछ लोगों ने यहां पर बकरा व बिरयानी पार्टी की। इनकी हरकतों पर किसी ने गौर नहीं किया। बाद में जब पता चला तो काफी देर हो चुकी थी।

स्थानीय कुछ युवकों के साथ इनकी बहस भी हुई। वहीं गार्ड ने भी इन्हें मंदिर परिसर में यह सब करने से मना किया लेकिन वे लोग नहीं माने। काफी देर तक इन्होंने अपनी मनमानी की और मटन व बिरयानी का झूठन व शराब पीकर झूठन वहीं फेंक कर चले गए। अब इस मामले को लेकर लोगों में आक्रोश है और मंदिर प्रबंधन ने रतनपुर थाने में शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 16.05.2023

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
प्रथम आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 06.06.2023 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र./ सि.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
34/134429	अनुविभाग क्रं 1 दुर्ग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों मे एम.ओ. डब्लू. एवं अन्य डिपाजिट कार्य।	50.00
36/134437	लोक निर्माण विभाग अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत जिला बालोद के अरमरीकला से बटरेल मार्ग के कि.मी.1/2 से 1/10 = 1.00 कि.मी. में डामरीकरण कार्य।	38.33
37/134441	लोक निर्माण विभाग अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत शासकीय स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल सुरेगांव का रिनोवेशन कार्य।	49.99
38/134444	जिला बेमेतरा में बेवरो मोहभट्टा मार्ग का निर्माण कार्य लं 1.40 कि.मी.	147.51
39/134450	जिला बेमेतरा में रमपुरा पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य लं 1.20 कि.मी.	177.84
40/134451	कुण्डा वि.खं पंडरिया में नवीन तहसील कार्यालय भवन का निर्माण कार्य।	65.55

टीप
1. एन.आई.टी.क्रं. 34 लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग से संबंधित है, एन.आई.टी.क्रं. 36 एवं 37 लोक निर्माण विभाग बालोद संभाग बालोद से संबंधित है, एन.आई.टी.क्रं. 38 एवं 39 लोक निर्माण विभाग बेमेतरा संभाग बेमेतरा से संबंधित है, एन.आई.टी.क्रं. 40 लोक निर्माण विभाग कवर्धा संभाग कवर्धा से संबंधित है ।
2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट **http://eproc.cgstate.gov.in** से डाऊनलोड की जा सकती है ।
3. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष- 0788-2210876

जी-01728/8

लव मैरीज का खौफनाक अंत, पत्नी ने पति को पीट-पीटकर मार दिया, ससुर ने भी दिया था साथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीती रात हुई युवक की हत्या के मामले में पुलिस को चंद घंटों में सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में आरोपिया पत्नी व उसके पिता को गिरफ्तार किया है। चार साल पहले प्रेम विवाह करने वाले युवक युवती के बीच इतना विवाद बढ़ा कि इसका खौफनाक अंत हुआ। इस मामले का शुक्रवार को पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर-6 में एसपी अभिषेक पल्लव ने खुलासा किया। इस दौरान आरोपिया ने वह वजह भी बताई जिसके कारण उसने इस हत्याकांड को अंजाम दिया।

बता दें नेवई थाना क्षेत्र में बीती रात 8:30 बजे डायल 112 को इंदिरा चौक स्टेशन मरोदा में मारपीट की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची टीम ने अभिषेक नायक नाम के युवक को

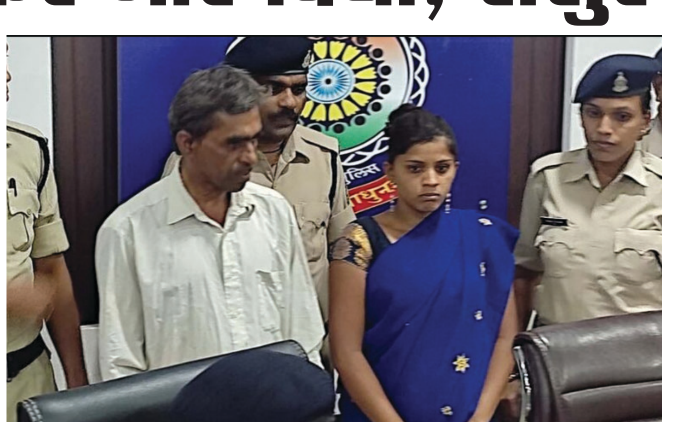

घायल अवस्था में जिला अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में युवक की बेरहमी से पीटने के कारण मौत की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए इस मामले में मृतक अभिषेक नायक की पत्नी कविता साहू व उसके ससुर गुमान साहू को गिरफ्तार कर लिया। इन दोनों ने ही पूरी प्लानिंग के साथ अभिषेक नायक की हत्या कर दी थी।

यह बताई हत्या की वजह

पुलिस पूछताछ में आरोपिया कविता साहू ने बताया कि अभिषेक नायक के साथ करीब 4 वर्ष पूर्व उसने प्रेम विवाह किया था। उनका एक 3 साल का बेटा भी है। शादी के 2 वर्ष बाद दोनों में अनबन होने लगी इसके कारण दोनों अलग-अलग रहने लगे। बच्चे को उसका पिता ले गया। 9 माह पहले अभिषेक नायक चोरी के प्रकरण में जेल चला गया था। इस बीच कविता साहू झीट निवासी मनहरण साहू से शादी कर ली।

जेल से निकलने के बाद जब अभिषेक नायक को इनकी शादी की जानकारी हुई तो उसने झीट पहुंचकर मनहरण साहू के सामने कविता साहू की बुराई करने लगा। अभिषेक नायक की बातों में आकर मनहरन साहू ने कविता साहू को छोड़ दिया। इसके बाद कविता अपने मायके इंदिरा चौक स्टेशन मरोदा में आकर रहने लगी। मायके में वह पिता गुमान साहू के साथ रहने लगी इस बीच अभिषेक नायक बार बार कविता साहू से विवाद करता था।

25 मई को कविता साहू काम से वापस अपने घर इंदिरा चौक जा रही थी। इस दौरान रास्ते में अभिषेक नायक बीआरपी चौक में मिला और बच्चे से मिलने की बात को लेकर विवाद करने लगा। इसके बाद कविता साहू घर पहुंची। उसे लग रहा था कि रात को उसका पति अभिषेक नायक घर पर जरूर आएगा। उसने अपने घर से लकड़ी का उड़ा निकालकर घर के दरवाजे के पास रख लिया। रात करीब 8:30 बजे अभिषेक नायक मरोदा में कविता साहू के घर पहुंचा और विवाद करने लगा। पहले से कविता साहू व उसके पिता गुमान साहू लकड़ी के पटरे व बांस से उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया जहां उसकी मौत हो गई।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

रामायण मानस मंडली प्रतियोगिता के लिए लवकेश ध्रुव नोडल अधिकारी नियुक्त

दुर्ग। राज्य शासन छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग द्वारा विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामायण मंडलियों को प्रोत्साहित करने हेतु राज्य स्तरीय रामायण मानस मंडल प्रतियोगिता 2023 का आयोजन जिला रायपुर में 27 से 29 मई तक आयोजित किया गया है। जिला स्तरीय आयोजित रामायण मानस मंडली प्रतियोगिता में विजेता दल के सदस्यों को उक्त कार्यक्रम स्थल में लेकर जाने एवं सुरक्षित वापस लेकर आने तथा समन्वस स्थापित करने हेतु डिप्टी कलेक्टर लवकेश ध्रुव को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

महापौर नीरज पाल ने अंबेडकरनगर में सुनी समस्याएं

भिलाई। निगम तुहर द्वार अंतर्गत महापौर संग गोठ के जरिए शिविर का आयोजन आज वार्ड 15 अंबेडकरनगर नगर में किया गया। इस दौरान महापौर नीरज पाल ने मोहल्ले के लोगों की समस्याएं सुनी। वार्ड के निवासियों ने सड़क नंबर 2 में सड़क की स्थिति की समस्या से महापौर को अवगत कराया। महापौर ने अधिकारियों को सड़क निर्माण के लिए मौके पर निर्देश दिए। शीघ्र ही वार्ड क्रमांक 15 के सड़क नंबर 2 में सीसी रोड निर्माण महापौर की पहल से होगा। वार्ड के लोगों ने जलभराव की समस्या को लेकर महापौर से मुलाकात की। लोगों ने गदा चौक के पास जलभराव से निजात दिलाने की मांग की। इस पर महापौर ने अधिकारियों को शीघ्र ही इस समस्या का हल निकालने के लिए निर्देश दिए हैं।

मितान योजना में सुविधाओं का हुआ विस्तार

भिलाई निगम ने तीन लोगों के घर पहुंचाया राशन कार्ड, रिसाली निगम में भी सेवा शुरू

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर लोगों को घर बैठे मिलने लगा राशन कार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मितान योजना के माध्यम से विभिन्न प्रकार की जरूरी सेवाए मिल रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी की पहल से अब इस योजना में राशन कार्ड को भी शामिल कर लिया गया है। मितान योजना में लगातार सुविधाओं का विस्तार होते जा रहा है। राशन कार्ड की सेवा आज से जुड़ने के बाद भिलाई महापौर नीरज पाल ने मितान बनकर 3 हितग्राहियों को घर पहुंचाकर राशन कार्ड दिया। वहीं रिसाली निगम में भी इस सेवा की शुरुआत हो चुकी है।

घर बैठे राशन कार्ड बनाने की सेवा की शुरुआत के साथ ही खुर्सीपार क्षेत्र के निवासी रंजीता सिंह, अनीता जायसवाल एवं तारा खातून ने राशन कार्ड बनवाने के लिए मितान योजना के टोल फ्री नंबर 14545 पर संपर्क किया था। संपर्क करने के महज कुछ ही घंटे के भीतर राशन कार्ड बनाकर हितग्राहियों को उनके घर जाकर प्रदान किया गया। राशन कार्ड की सेवा मितान योजना में जुड़ने के बाद लोगों को दफ्तरों के चक्कर नहीं काटना पड़ेगा, अनावश्यक भटकने से छुटकारा मिलेगा तथा कार्यालय पहुंचकर लाइन लगाने की आवश्यकता भी नहीं होगी।

अधिक से अधिक लोगों को मिले लाभ

निगम आयुक्त रोहित व्यास ने मितान योजना के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। इस योजना में पैन कार्ड तथा 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार कार्ड भी बनवाया जा सकता है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने मितान योजना में पैन कार्ड और आधार कार्ड को शामिल किया है लोग मितान के जरिए पैन कार्ड और आधार कार्ड भी बनवा रहे है। 17 प्रकार की जरूरी सेवाओं के लिए केवल टोल फ्री नंबर 14545 पर कॉल करना होगा और मितान के माध्यम से घर पहुंच सेवा मिलेगी।

अब तक 9337 लोगों को मिले प्रमाण पत्र

मितान योजना के तहत विभिन्न प्रकार की 17 जरूरी सेवाओं के 9337 प्रमाण पत्र लोगों को मिल चुका है। मितान योजना के माध्यम से घर बैठे जन्म, मृत्यु, शादी, प्रमाण पत्र के साथ ही जाति प्रमाण पत्र, आय, निवास प्रमाण पत्र, गुमास्ता लाइसेंस, पैन कार्ड, बच्चो का आधार कार्ड तथा राशन कार्ड की सुविधाएं भी मिल रही है और घर बैठे यह सभी प्रमाण पत्र प्राप्त हो रहे हैं। निगम की अपील है कि मितान योजना के माध्यम से प्रमाण पत्र एवं जरूरी सेवाओं का लाभ लेने के लिए 14545 टोल फ्री नम्बर पर संपर्क करें।

रिसाली निगम क्षेत्र में मितान ने पहुंचाया राशन कार्ड

मितान योजना का शुभारंभ होते ही आयुक्त आशीष देवांगन के निर्देशन में दो हितग्राहियों का राशन कार्ड तैयार कर उपलब्ध कराया गया। राशन कार्ड बनाने हितग्राहियों को अब निगम कार्यालय का चक्कर लगाना नहीं पडेंगा। प्रदेश सरकार ने राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया को मितान योजना में शामिल कर दिया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा मितान योजना में राशन कार्ड बनाने की प्रक्रिया को शामिल करने के बाद रिसाली निगम क्षेत्र के वार्ड 25 आशीष नगर पश्चिम निवासी आशा कर्मशील का नया एपीएल राशन कार्ड व वार्ड 22 मैत्रीकुंज निवासी बीपी पास्कर का बीपीएल राशन कार्ड तैयार कर वितरण किया गया। राशन कार्ड बनाने से पहले रिसाली निगम के मितान ने हितग्राही के निवास स्थल पहुंचकर आवश्यक दस्तावेज को स्केन कर सत्यापन कर औपचारिकता पूरी की।

गंदगी फैलाने वाले होटल संचालक से वसूला 50 हजार रुपए जुर्माना

■ मलबा फेंकने वाले पर 10 हजार का जुर्माना, भिलाई निगम की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम आयुक्त रोहित व्यास ने सफाई को लेकर आज वार्ड क्षेत्रों का सघन दौरा किया। इस दौरान एक होटल व्यवसायी के द्वारा नाली में गंदगी फैलाकर नाली को जाम कर दिया गया था। गंदगी और बदबू इतनी थी कि मोहल्ले वासी भी बदबू से परेशान हो गए थे। इसकी शिकायतें भी मिली थी। नाली से गुजरने वाले लोग बदबू से पूरी तरीके से त्रस्त हो गए थे। जब निगम आयुक्त रोहित व्यास ने वार्ड का दौरा किया तब मोहल्ले वासियों ने भी बदबू लेकर आयुक्त से शिकायत की। इस पर निगम आयुक्त रोहित व्यास ने अधिकारियों को जुर्माना लगाने के निर्देश दिए और होटल व्यवसायी को गंदगी नहीं फैलाने को लेकर हिदायत भी दी। परदेसी चौक के पास के छोटू होटल व्यवसायी को गंदगी फैलाने को लेकर 50000 रुपए जुर्माना लिया गया।

इसी प्रकार से वार्ड क्षेत्र के भ्रमण के दौरान निर्माण एवं विध्वंस के मलबे को बिखेरकर रखने वाले निर्माणकर्ता से 10000 रुपए जुर्माना वसूल किया गया। मलबा को सड़क किनारे रख दिया गया था जिसके चलते लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही थी इसकी भी शिकायतें निगम को मिली थी। काफी दिन से यह मलबा यहीं पर पड़ा हुआ था जिसके चलते गंदगी भी फैल रही थी। निगम आयुक्त ने वार्ड क्षेत्रों में नाली सफाई का जायजा लिया तथा सार्वजनिक स्थानों पर सफाई व्यवस्था का अवलोकन किया। इस दौरान कुछ स्थानों पर घर मालिको ने पुराने सामग्रियों को एक जगह एकत्रित कर दिया गया था, जिसे घर मालिक को बोलकर हटवाया गया। कुछ स्थानों पर सड़क बाधा कर लिया गया था, एक जगह झोपड़ी नुमा तथा दूसरी जगह फ्ल ठेले वाले के द्वारा सड़क पर ही समान बेचा जा रहा था। जिसे व्यवस्थित जगह पर व्यवसाय करने की समझाइश देकर किनारे कराया गया तथा पुराने झोपड़ी नुमा जिसका कोई उपयोग नहीं हैं और सड़क पर ही लगा था को हटाने अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। आगामी मानसून को देखते हुए नालियों की वृहद सफाई के निर्देश आयुक्त ने मौके पर स्वास्थ्य अधिकारी को दिए।

उन्होंने कहा कि वार्ड क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति निर्मित न हो। गीले कचरे और सूखे कचरे को पृथक-पृथक देने की इस दौरान अपील की गई। गौरतलब है कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के मापदंडों के अनुरूप निगम के द्वारा कार्य किया जा रहा है। शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर खासा ध्यान रखा जा रहा है। नगर निगम की अपील है कि सफाई व्यवस्था में सुधार लाने आम नागरिक भी सहयोग करें।

निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, जोन आयुक्त येशा लहरें, स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, कार्यपालन अभियंता अमरेश कुमार लोहिया, सहायक अभियंता अरविंद शर्मा, उप अभियंता रीमा हमने तथा पुरुषोत्तम सिन्हा आदि मौजूद रहे।

दुर्ग के गोठान में मुर्गीपालन से पूर्णिमा धनकर ने कमा लिए लाखों रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहरी क्षेत्रों की तरह ग्रामीण क्षेत्रों में भी व्यवसाय के कई अवसर है। ग्रामीण महिलाएं शासन की योजनाओं का लाभ लेकर गौठान से जुड़कर महिलाएं सशक्त हो रही हैं। ऐसी ही एक कहानी है ग्राम पंचायत थनौद की।

ग्राम पंचायत थनौद की श्रीमती पूर्णिमा धनकर ने गौठान में मुर्गीपालन व्यवसाय कार्य करने की सोची। मुर्गीपालन व्यवसाय कम खर्चे में अच्छा खासा मुनाफा कमाने वाला व्यवसाय है। यह एक ऐसा व्यवसाय है जिसमें काफी अधिक राशि की जरूरत नही पड़ती है। कम राशि की मदद से भी मुर्गीपालन का व्यवसाय किया जा सकता है। श्रीमती धनकर के साथ गौठान में दस और महिलाएं हैं जो व्यवसाय में उनका हाथ बटा रही हैं। श्रीमती धनकर ने कहा कि समूह की महिलाओं के साथ मिलकर काम करने का मौका मिला तो यह काम और आसान हो गया।

उन्होंने बताया कि मुर्गीपालन से उन्हें लाखों का फायदा हुआ है और प्राप्त आमदनी से उन्होंने अपने बेटा-बेटी की शादी एवं स्कूटी खरीदी। साथ ही उनका हाथ बटा रही अन्य महिलाएं भी प्राप्त आय का उपयोग आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में कर रही है। उनके द्वारा 2020 में इस गतिविधि का प्रारंभ किया गया। मुर्गी फार्म का विस्तार कर हेचरी यूनिट की स्थापना भी की जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री का धन्यवाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की योजनाओं का लाभ लेकर हम महिलाएं आगे बढ़ रही हैं, जिससे हमारा जीवन स्तर भी काफी अच्छा हुआ है।

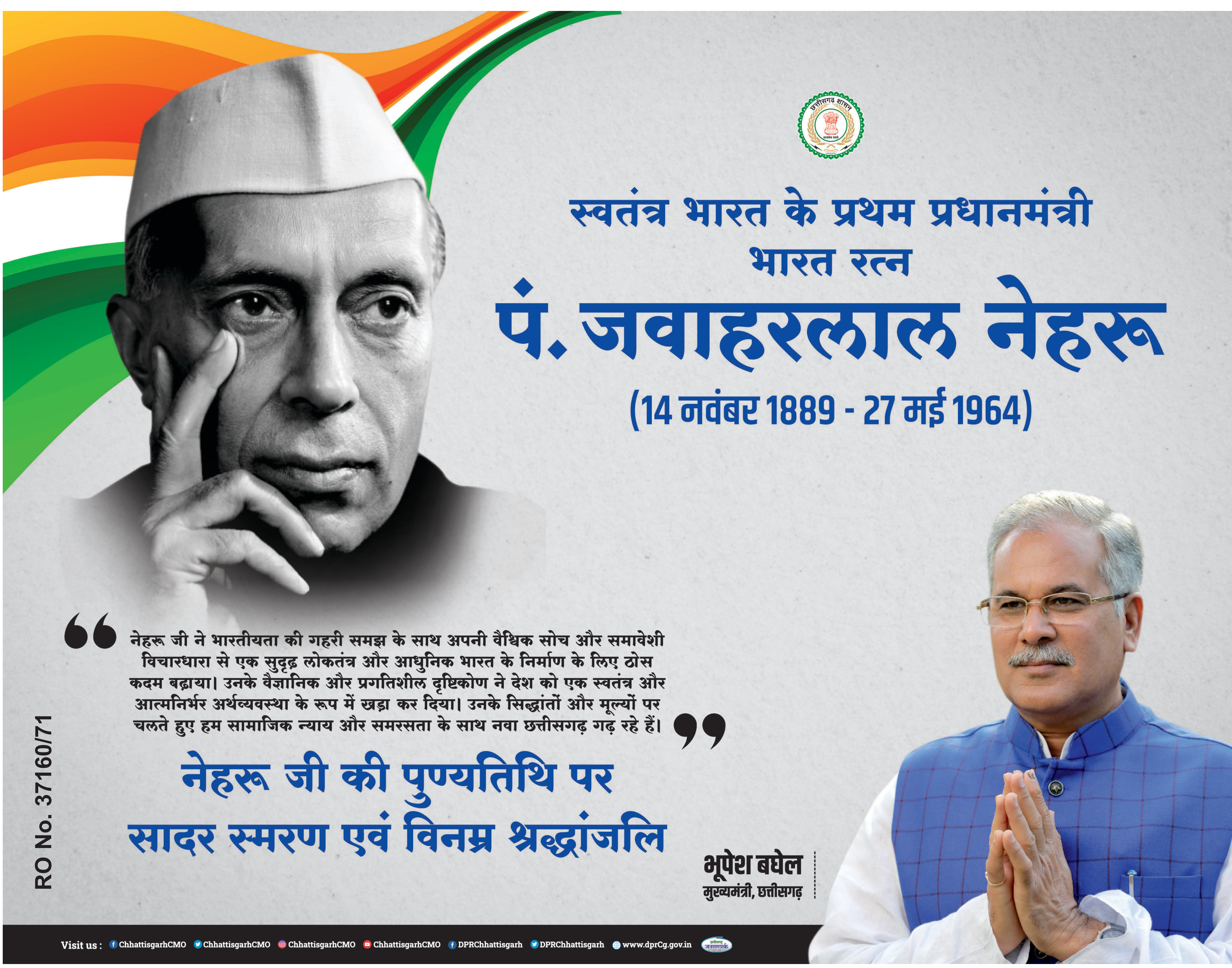

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950